हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 290, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 22 अप्रैल, 2024 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

मानवता के लिए सुरक्षित स्वर्ग है भारतः पीएम मोदी

यह देश सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने वैश्विक कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि भारत दुनिया की सबसे पुरानी जीवित सभ्यता होने के साथ-साथ मानवता के लिए एक सुरक्षित स्वर्ग है। उन्होंने कहा कि यह देश सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

पूरी दुनिया को भारत से उम्मीद- वैश्विक मंच पर भारत की उभरती भूमिका का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस नई जिम्मेदारी का श्रेय भारत की बढ़ती क्षमताओं और विदेश नीति को जाता है। उन्होंने कहा कि आज संघर्ष में फंसी दुनिया भारत से शांति की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि आज भारत इस भूमिका में आया है क्योंकि हम वैश्विक मंचों पर पूरे विश्वास के साथ सत्य और अहिंसा को सामने रखते हैं।

प्रधानमंत्री ने निर्वाण महोत्सव को बताया दुर्लभ अवसर- उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का ये 2,550वां निर्वाण महोत्सव हजारों वर्ष का एक दुर्लभ अवसर है। ऐसे अवसर कई विशेष संयोगों को भी जोड़ते हैं। ये वो समय है, जब भारत अमृतकाल के शुरूआती दौर में है। देश आजादी के शताब्दी वर्ष को स्वर्णिम शताब्दी बनाने के लिए काम कर रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि इस साल हमारे संविधान को भी 75 वर्ष होने जा

रहे हैं। इसी समय देश में एक बड़ा लोकतांत्रिक उत्सव भी चल रहा है। देश का विश्वास है कि यहीं से भविष्य की नई यात्रा शुरू होगी।

पीएम मोदी ने जारी किया सिक्का- पीएम मोदी ने महावीर जयंती के इस शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चुनाव के कठिन समय में ऐसे पवित्र कार्यक्रम में शामिल होना मन को शांति दे रहा है। उन्होंने भारत मंडपम में महावीर जयंती के अवसर पर 2550वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के उद्घाटन पर एक स्मारक टिकट और सिक्का जारी किया।

एक्सप्रेस-वे पर पलटी बरातियों की कार, पांच की मौत, देवरिया जा रही थी बरात

आगरा। यूपी में बड़ा घटित हो गया। एक्सप्रेस-वे पर डिवाइडर से टकराकर बरातियों की कार पलट गई। इस भीषण हादसे में पांच बरातियों की मौत हो गई। हादसे में तीन लोग हुए घायल। दो को दिल्ली रेफर किया। एक घायल का एसएन इमरजेंसी में उपचार चल रहा है। बरात दिल्ली से देवरिया जा रही। एत्मादपुर के कुबेरपुर इंटरचेंज के कर्व पर ओवरस्पीड के कारण हादसा घटित हुआ है। सभी घायल इंब्रायड्री का काम करते थे। मृतक गौतम दूल्हे संतोष का भाई है। मृतक प्रवीण पटना के प्रहलादपुर का रिश्तेदार है। वहीं संजय शर्मा पड़ोसी हैं। नोएडा यूसूफपुर चक साबेरी का रहने वाले संतोष की बरात देवरिया जा रही थी। बताया गया है कि कार का टायर फटने से हादसा हुआ है। राहुल यादव नामक घायल को छुट्टी दे दी गई है। चंदन और सुदेश गौतम के दोस्त हैं। कार सुदेश की थी और वो ही खुद ड्राइव कर रहा था। हादसे के बाद शादी कैंसिल कर दी गई है। ग्रेटर नोएडा के रहने वाले चंदन, बिहार के सुदेश, संजीव शर्मा, गौतम कुमार और प्रवीन। ग्रेटर नोएडा के देवतपुर के रहने वाले राहुल यादव, गाजियाबाद के अजय कुमार, ग्रेटर नोएडा के कुलदीप यादव।

40 सीटों पर इनकी लड़ाई, राहुल गांधी की सोच... हमीरपुर में कांग्रेस पर जमकर बरसे अनुराग ठाकुर

हमीरपुर। केंद्रीय सूचना प्रसारण युवा सेवाएं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हमीरपुर में कांग्रेस पर निशाना साधा। अनुराग ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब हथियारों के नाम पर दलाली करती थी और अब सत्ता से बाहर होने के बाद देश को कमजोर करने के लिए इस तरह के बयान दे रही है। कांग्रेस पार्टी ने तुष्टिकरण की नीति अपनाई है और कांग्रेस शासित कर्नाटक में जहां पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के अलावा बम विस्फोट होते हैं लेकिन कांग्रेस चुप बैठी है।

उन्होंने कहा कि विश्व की स्थिति को देखते हुए भारत को सैन्य शक्ति को मजबूत करने की आवश्यकता है लेकिन कांग्रेस के बयान देश को कमजोर करने के लिए दिए जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा 150 सीटें भी नहीं जीत पाएगी के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि 2007 के चुनाव में भी राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने इकट्ठे होकर चुनाव लड़ा था। जनता ने उन्हें साफ कर दिया था उन्होंने कहा कि देश की जनता इन भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ और उनका सफाया होना तय है। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि इन चुनावों में भाजपा का लक्ष्य 400 पार करने का है जबकि कांग्रेस का लक्ष्य 40 सीटों से अधिक सीटें जीतने का है। समाजवादी नेता की मोदी की गारंटी के बयान पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी चुभ रही है क्योंकि जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद दे रही है।

उन्होंने कहा कि जो काम कांग्रेस पार्टी 60 सालों में नहीं कर पाई थी। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वर्षों में करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की गरीब कल्याणकारी योजना के चलते करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास ना नेता है और ना नीति है और उनकी नियत में भी खोट है जिसके चलते जनता प्रधानमंत्री के साथ खड़ी है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट के भाजपा के साउथ से साफ और नॉर्थ से हाफ के बयान पर चुटकी लेते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि राजस्थान की जनता ने चुनावों में ही कांग्रेस को साफ कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में आती है तो लोगों के साथ किया वादे को भूल जाती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को जब नॉर्थ ने जानकारी दिया था तब वह दक्षिण भारत में जाकर देश विरोधी ताकतों के समर्थन से जीत कर आए हैं। उन्होंने कांग्रेस पर देश को बांटने की सोच रखने वाले अलगाववादियों को पार्टी में शामिल करने के आरोप भी लगाए।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की तबीयत बिगड़ी, रांची में इंडी गठबंधन की रैली में नहीं होंगे शामिल

रांची। पहले चरण के मतदान के बाद अब राजनीतिक पार्टियां दूसरे चरण के चुनाव प्रचार में जुट गई हैं। आज झारखंड की राजधानी रांची में विपक्षी गठबंधन पार्टियों की रैली है। इसी बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिससे वह अब इस रैली में शामिल नहीं हो पाएंगे। पार्टी के नेता जयराम रमेश ने इसकी जानकारी दी। रमेश मे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, "राहुल गांधी आज सतना और रांची में चुनाव प्रचार के लिए पूरी तरह से तैयार थे, जहां इंडी गठबंधन की रैली हो रही है। लेकिन वह अचानक बीमार हो गए हैं और फिलहाल नई दिल्ली से बाहर नहीं जा सकते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी अवश्य सतना में जनसभा को संबोधित करने के बाद रांची की रैली में शामिल होंगे।" बता दें कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी सांसद राहुल गांधी,

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन सहित विपक्षी गठबंधन के नेताओं की फोटो वाले पोस्टर रांची के रैली ग्राउंड में लगाए गए हैं। प्रभात तारा मैदान में होने वाली इस रैली में कुल 14 राजनीतिक पार्टियां भाग लेंगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओह्ब्रायन, शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के दीपांकर भट्टाचार्य भी इस रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में करीबन पांच लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि इस रैली में केंद्र सरकार के तानाशाह रवैये का खुलासा किया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, यह रैली राज्य के आदिवासियों और मूल निवासियों पर केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे अत्याचारों तथा उन्हें जल, जंगल और जमीन से दूर करने की साजिश का पदार्फाश करेगी।

झालावाड़ में भीषण सड़क हादसा, तेज रफ्तार ट्राले ने बरातियों से भरी वैन को मारी टक्कर, नौ की मौत

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ जिले में एक दर्दनाक हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। बारातियों से भरी वैन को एक तेज रफ्तार ट्राले ने टक्कर मार दी, जिसमें एक साथ नौ लोगों की जान चली गई। वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। हादसा इतना भयानक था कि टक्कर के बाद वैन के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेकर घायल हो अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार हादसा आज सुबह जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र में हुआ। हादसे का शिकार हुए लोग मध्यप्रदेश के डूंगरी से एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर डुगरगांव लौट रहे थे। इस दौरान एनएच 52 पर पचोला पास ट्राले ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। अकलेरा थाना प्रभारी संदीप बिश्नोई ने बताया कि हादसा थाने से करीब 5 किलोमीटर दूर भोपाल मार्ग पर हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वैन में फंसे घायलों को नजदीक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने 9 लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, एक घायल का इलाज किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार हादसे में अकलेरा के रहने वाले अशोक कुमार (24) पुत्र घनश्याम बागरी, रोहित (16)

पुत्र नंदकिशोर बागरी, हेमराज (33) पुत्र बंशीलाल बागरी, सोनू (22) पुत्र मोहनलाल बागरी, दीपक (24) पुत्र जयलाल बागरी, रविशंकर (25) पुत्र प्रेमचंद बागरी, रोहित (22) जगदीश बागरी और हरनावदा शाहजी (बारां) निवासी रामकृष्ण (20) पुत्र प्रेमचंद, सारौला (खानपुर, झालवाड़) निवासी राहुल पुत्र प्रेमचंद की हादसे में मौत हो गई।

पुंछ में हेड मास्टर गिरफ्तार, दहशतगर्दों के लिए कर रहा था काम, पाकिस्तानी पिस्टल और दो चीनी ग्रेनेड मिले

पुंछ। जम्मू संभाग के जिला पुंछ में पुलिस और सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां एक आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने रविवार को एक हेडमास्टर को गिरफ्तार किया है, जो ओजीडब्ल्यू के तौर पर आतंकवादियों के लिए काम कर रहा था। उसके पास से पाकिस्तानी पिस्तौल और दो चीनी ग्रेनेड भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में रविवार को सेना के 6 सेक्टर के 39 आरआर, रोमियो फोर्स ने पुलिस और एसओजी पुंछ के साथ हरि बुड्ढा में एक संयुक्त अभियान में चलाया। इस दौरान कमरुद्दीन को गिरफ्तार किया गया, जो ओवर-ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) के तौर पर दहशतगर्दों के साथ काम कर रहा था। पकड़ा गया कमरुद्दीन पेशे से एक स्कूल में हेडमास्टर के पद पर कार्यरत है। उसके घर से जांच के दौरान एक पाकिस्तान निर्मित पिस्तौल और चीन निर्मित

दो ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। इस खेप का इस्तेमाल पुंछ क्षेत्र में आगामी चुनाव में गड़बड़ी करने के लिए किए जाने का संदेह है। तलाशी अभियान जारी है। इससे पहले शनिवार को रियासी जिले के दलास बरनेली इलाके में एक आतंकी ठिकाना ध्वस्त कर चुनाव में गड़बड़ी फैलाने की साजिश को विफल कर दिया। इस ठिकाने से दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) व अन्य विस्फोटक बरामद किया गया है। एक आईईडी टेप रिकॉर्डर व दूसरी कैलकुलेटर से जुड़ी हुई थी। रियासी जम्मू संसदीय सीट का हिस्सा है। रियासी जिले के माहौर के लांचा इलाके में 13 अप्रैल को सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने को ध्वस्त कर एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), दो पिस्तौल, 400 ग्राम विस्फोटक पाउडर, कारतूस व अन्य सामान बरामद किया था। आईईडी को एक टिफिन बॉक्स में छिपा कर रखा गया था।

गुजरात में चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, सूरत से उम्मीदवार नीलेश कुंभानी का नामांकन रद्द

अहमदाबाद। सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभानी का नामांकन फॉर्म जिला निर्वाचन अधिकारी ने रद्द कर दिया है। नामांकन दाखिल करने के तीन दिन बाद शनिवार को एक हाई वोल्टेज ड्रामा चला। बीजेपी के दिनेश जोधानी ने कांग्रेस के कैंडिडेट निलेश कुम्भानी के फॉर्म में उनके तीन प्रस्तावकों के हस्ताक्षर को लेकर सवाल उठाए थे। जिसके बाद दिनेश जोधानी ने कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुम्भानी के तीनों प्रस्तावक के हस्ताक्षर को लेकर चुनाव अधिकारी से शिकायत की थी। वहीं, अपने साथ प्रस्तावकों को न रख पाने पर कांग्रेस कैंडिडेट निलेश कुम्भानी ने कहा, मेरी सुबह प्रस्तावकों से बात हुई थी, उन्होंने कहा था कि 9 बजे तक कलेक्टर ऑफिस आ जाएंगे, हमें उम्मीद थी वो आएंगे लेकिन अब सभी के फोन बंद है। दरअसल, नीलेश कुंभानी के प्रस्तावक में उनके बहनोई, भांजे और भागीदार के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया था। लेकिन तीनों प्रस्तावकों ने चुनाव अधिकारी के सामने शनिवार को एफिडेविट देकर

कहा कि निलेश कुम्भानी के फॉर्म में उनके हस्ताक्षर नहीं है, जिसके बाद से तीनों प्रस्तावक गायब है। इस मामले में आज रविवार को चुनाव अधिकारी की ओर से सुनवाई की गई। हालांकि, सुनवाई के दौरान मौजूद कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभानी के साथ झड़प हो गई। यह भी पता चला कि प्रस्तावक आज सुबह से अपना प्रस्ताव नहीं उठा रहे हैं। सुनवाई के बाद चुनाव अधिकारी ने उनका नामांकन रद्द कर दिया। गौरतलब है कि बीजेपी प्रत्याशी मुकेश दलाल के चुनाव एजेंट दिनेश जोधानी ने फॉर्म वेरिफिकेशन के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुम्भानी के फॉर्म को लेकर आपत्ति जताई थी और कहा था, "मुझे जानकारी है कि कांग्रेस प्रत्याशी के तीनों प्रस्तावक के हस्ताक्षर सही नहीं है।"

'बंगाल में गुंडे राज कर रहे और लोग डर रहे', ममता पर राजनाथ सिंह ने जमकर साधा निशाना

मुर्शिदाबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में अराजकता का माहौल है। उन्होंने कहा कि राज्य में एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद संदेशखाली जैसी घटनाएं हो रही हैं। राजनाथ सिंह बंगाल के मुर्शिदाबाद में पहुंचे हुए थे। वह मुर्शिदाबाद लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार गौरी शंकर घोष के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार के तहत पश्चिम बंगाल में अराजकता का माहौल है। उन्होंने यह भी कहा कि संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार के आरोपों पर दुनिया भर के लोग शर्मिंदा हैं। गौरतलब है, तृणमूल कांग्रेस के कुछ स्थानीय नेताओं पर महिलाओं पर यौन अत्याचार करने और उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में आदिवासियों समेत ग्रामीणों की जमीन हड़पने का आरोप है। सिंह ने दावा किया, 'यहां गुंडे राज कर रहे हैं और लोग डरे हुए हैं।' उन्होंने आगे कहा ममता दीदी मुख्यमंत्री बन गई। यहां आराजकजता का माहौल बना हुआ है। गुंडे बदमाशों के हौंसले बुलंद हैं। देश में पश्चिम

बंगाल अपने अपराध के लिए जानी जा रही है और सांप्रदायिकता के लिए जानी जा रही है।' उन्होंने कहा, 'यहां एक महिला मुख्यमंत्री के रहते संदेशखाली जैसी घटनाएं होती हैं। यहां ईडी और सीबीआई जांच के लिए आते हैं तो उनके ऊपर गुंडे हमले करते हैं। संदेशखाली की घटना से पूरी मानवता शर्मसार हुई है।' उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा को जीताइए, फिर देखते हैं की किसमें दम होगा संदेशखाली जैसी घटनाओं को अंजाम देने की। राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां सुनिए वहीं घोटाला होता है। ममता दीदी आपके नाम में ही ममता है तो आपको जनता का दुख-दर्द क्यों नहीं दिखाई देता है।

'लालू और उनके दोनों बेटे...', राजद सुप्रीमो के परिवार पर भड़के अमित शाह, नीतीश कुमार की जमकर की तारीफ

कटिहार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को बिहार दौरे पर हैं और उन्होंने कटिहार में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी ने देश से परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टिकरण को समाप्त किया है। इसके साथ ही मोदी जी ने हर वर्ग, हर व्यक्ति का विकास किया है। वर्षों से कांग्रेस पार्टी और इनके साथी लालू जी कहते थे कि 'गरीबी हटाओ', लेकिन गरीबी नहीं हटी। मोदी जी ने मात्र 10 वर्ष में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। लालू यादव और राबड़ी देवी ने मिलकर बिहार को जंगलराज में बदल दिया था। अमित शाह ने आगे कहा कि गरीब, पिछड़ा, ओबीसी... सब पर अत्याचार होते थे। आज लालू यादव और इनके बेटे कांग्रेस की गोद में जाकर बैठे हैं। ये वही कांग्रेस पार्टी है, जिसने पिछड़ा समाज को आरक्षण देने वाली काका कालेलकर की रिपोर्ट और मंडल कमीशन की रिपोर्ट का विरोध किया था। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे जी कहते हैं कि राजस्थान और बिहार का जम्मू कश्मीर से क्या लेना

देना है। खड़गे जी आपको नहीं पता, लेकिन बिहार का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए जान देने के लिए तैयार है। मोदी जी ने नक्सलवाद को समाप्त किया, आतंकवाद पर नकेल कसी। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान से आतंकी आकर यहां बम धमाके करते थे। मोदी जी ने उरी और पुलवामा हमले के 10 दिन में ही सर्जिकल और एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों का सफाया किया। नीतीश जी ने गांव-गांव में, घर-घर में बिजली पहुंचाई है, लेकिन इंडी गठबंधन वाले बिहार को फिर से लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं और ओबीसी पर अत्याचार करना चाहते हैं।

संपादकीय

राज्य सरकार को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग को सहयोग करने की जरूरत

आम चुनाव के पहले चरण का मतदान संपन्न हो गया। ज्यादातर इलाकों में तेज गर्मी के बावजूद लोगों में मतदान को लेकर उत्साह देखा गया। हालांकि कुछ जगहों पर हिंसक घटनाओं ने जरूर लोकतंत्र के इस उत्सव को बदरंग करने की कोशिश की, पर अच्छी बात है कि उनसे मतदाताओं और मतदान की प्रक्रिया पर बहुत नकारात्मक असर नहीं देखा गया। मणिपुर लंबे समय से जातीय हिंसा की चपेट में है और वहां पहले से चुनाव के विरोध का स्वर उभर रहा था। इसलिए अगर कुछ मतदान केंद्रों पर उपद्रव की घटनाएं हुईं, तो इसकी वजहें समझी जा सकती हैं। वहां चुनाव कराना निर्वाचन आयोग के सामने बड़ी चुनौती थी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक मतदान केंद्र के पास नक्सलियों ने विस्फोट किया। यह भी कोई अनपेक्षित घटना नहीं थी, क्योंकि मतदान से दो दिन पहले ही वहां सुरक्षाबलों ने उनतीस नक्सलियों को मार गिराया था। उस घटना की प्रतिक्रिया में हमले की आशंका पहले से थी। हालांकि वहां भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और मतदान की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न नहीं हुई। मगर पश्चिम बंगाल में जिस तरह की हिंसा देखी गई, वह जरूर चिंता पैदा करती है। पश्चिम बंगाल के हर चुनाव में हिंसा की आशंका बनी रहती है। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता छोटी-छोटी बातों को लेकर गुत्थमगुत्था होते और हिंसक घटनाएं करते देखे जाते रहे हैं, उसमें इस चुनाव में भी व्यापक हिंसा की आशंका पहले से जताई जा रही है। उसकी शुरूआत कूचबिहार में देखी गई। वहां भाजपा के प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि राज्य के सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता लोगों को धमकाने और मतदान से रोकने का प्रयास करते रहे। यही आरोप तृणमूल कांग्रेस ने भी भाजपा कार्यकताओं पर लगाए। उपद्रवियों की धर-पकड़ और हिंसा पर काबू पाने के क्रम में की गई तलाशी में कई बम भी बरामद किए गए। जाहिर है, हिंसा की तैयारियां वहां पहले से की गई थीं। पश्चिम बंगाल के हर चुनाव में निर्वाचन आयोग अतिरिक्त रूप से सतर्क रहता है। इसलिए भी कूचबिहार में किसी बड़ी घटना की साजिशों को रोकने में कामयाबी मिल गई। मगर अभी वहां बाकी चरणों के चुनाव होने हैं, जिनमें हिंसा की आशंका बनी हुई है। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग का सहयोग करे। यह ठीक है कि राजनीतिक दल अपनी विजय सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश करते हैं। मगर इसका लोकतांत्रिक तरीका होता है। ऐसा नहीं कि प्रतिद्वंद्वी दल के कार्यकताओं पर हिंसक हमले करके उन्हें मतदान से रोका और अपने पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कराने का प्रयास किया जाए। अगर कोई राजनीतिक दल अपने कामकाज और सैद्धांतिक प्रभाव से मतदाता का विश्वास अर्जित नहीं कर पाता, तो उसे जीत का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह जाता। मगर कुछ समय से धनबल और बाहुबल के जरिए चुनाव को अपने पक्ष में करने की अनैतिक कोशिशें बढ़ी हैं। लोकतंत्र मतदाता के भरोसे और विश्वास पर टिका होता है, अनैतिक तरीकों से मत अर्जित कर सत्ता में पहुंचे लोगों से लोकतंत्र की सुरक्षा की उम्मीद नहीं की जाती। जब तक राजनीतिक दल हिंसा के जरिए सत्ता में पहुंचने या बने रहने का रास्ता नहीं छोड़ेंगे, तब तक सही अर्थों में चुनाव लोकतंत्र का उत्सव नहीं बन पाएंगे।

आ गए वो पास ?

बढ़ रही है हलचल ।
आ गए वो पास ?
स्वागत गर्मजोशी से ।
बन सकते अब खास ?
राजनीति में कोई ।
ना दुश्मन ना मित्र ।।
इसलिए तो कहते हैं ।
है स्थिति विचित्र ।।
शांत है तकरार ।
पनपा शायद प्यार ।।
आ गया अब वक्त ।
हो चुकता उधार ।।
कब पक जाए खिचड़ी ।
जान कौन ये पाया ।।
कुर्सी सबको प्यारी है ।
है कुर्सी की माया ।।

–कृष्णेन्द्र राय

हिंदू हारे क्यों और अब हिंदू उत्कर्ष के कारण क्या हैं ?

तरुण विजय

वर्तमान हिंदू उदय का काल सनातन हिन्दुओं की वीरता और उनके असीम धैर्य के साथ विश्व में दुर्लभ संघर्ष की अद्भुत निरंतरता बताता है तो उसके साथ ही स्मरण रखना होगा पिछले कई सौ वर्षों में हिन्दू द्वारा हिन्दू से विद्वेष, हिंदू की हिंदू से शत्रुता, असंगठन, शत्रु के साथ अपने स्वार्थ के लिए जा मिलना और सामूहिक शत्रु के विरुद्ध अपने ईर्ष्या भाव खत्म कर संगठित बल से उस शत्रु का हनन करने की भावना का ना होना जिसने हिंदुओं को विदेशी क्षुद्र शक्तियों का दास बनाया।

हिन्दुओं ने आत्म मुग्धता के साथ केवल अपने बारे में महानता की बातें कीं लेकिन जो सावरकर और हेडगेवार को जानते हैं वे समझते हैं कि अपनी दुर्बलताओं की और ध्यान दिए बिना शक्ति अर्जन का पथ प्रशस्त करना संभव नहीं होता।

ये पांच सौ वर्ष कैसे बीते हमारे ? इन वर्षों में लाखों हिन्दुओं का वध हुआ, उनकी स्त्रियों का अपमान हुआ, बच्चे नर नारी गुलाम बनाकर काबुल और बगदाद के बाजारों में बेचे गए, हमारे मंदिरों का ध्वंस हुआ और उनका अपमान हुआ, हमारे पूर्वजों को डरा धमका कर, संहार के भय से इस्लाम में लाया गया। आज उन मतांतरित हिन्दुओं के वंशज ही आक्रमणकारी विदेशियों की भांति हिन्दू धर्म, एवं आस्था स्थलों के प्रति घृणा का भाव रखते हैं, क्यों ? पांच सौ वर्षों के संघर्ष की निरंतरता के बाद हिन्दुओं के असीम धैर्य के बावजूद उनके प्रति मतांतरित जिहाद-अनुयायियों की शत्रुता काम क्यों नहीं हुयी ? हिन्दू इन विषयों पर सोचना भी नहीं चाहता। स्मृति भ्रंश और विगत के बलिदानों का विस्मरण हमारी बड़ी कमजोरी है। मंदिरों की अपरमित आय उच्च जातियों द्वारा नियंत्रित रहती है। हिन्दुओं का कौन सा एक भी मंदिर है जो अपने ही रक्तबंधु दलितों के प्रति समता और सच्चे आत्मीयता का भाव जन जन में पैदा करने के लिए दो चढ़ावा खर्च करता होगा? अथवा देश के कोने कोने मं हिन्दुओं को धर्मान्तरित करने वाली शक्तियों के सामने हिन्दू रक्षक और समरसता के यथार्थ प्रहरी भेजने हेतु अपने करोड़ो रुपये के हिन्दू-धर्म-दान का कोई अंश खर्च करता होगा? इन हिन्दू मंदिरों के संचालक एवं धर्म कोष के अधिपति अपनी राजनीतिक अभीप्साओं की पूर्ति के लिए मंदिर कोष कभी सरकारी कार्यों हेतु, कभी आगंतुक राजनीतिक महानुभाव के सरकारी सहायता कोष हेतु, कभी सड़क पानी बिजली के लिए खर्च कर अपने लिए राजनीतिक पद और प्रतिष्ठा की संभावनाएं ढूंढते हैं। लेकिन अरुणाचल से लेकर अंडमान और लद्दाख तक जो संगठन हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए प्रयासरत हैं उनको कभी दो रुपये की सहायता नहीं देते।

हिंदू पर्व केवल लोकाचार- रीति रिवाज और कर्मकांड के पालन द्वारा अपनी क्षुद्र मनोकामनाएं पूरी करवाने का पाखंड नहीं होना चाहिए। हिन्दू क्यों हारा? किन कारणों से आक्रमणकारी जीते? किन कारणों से हमारा संगठन जातियों, धन कुबेरों के स्वार्थों, धार्मिक कुरीतियों और रूढ़िवादिता के कारण छिन्न भिन्न होता रहा? और किन महापुरुषों ने हिन्दू संगठन का बीड़ा उठाया जिस कारण आज सर्वत्र एक हिंदू उत्कर्ष का भाव दिखने लगा है ? इन पर विचार किये बिना भारत के नवीन भाग्योदय पर विमर्श अधूरा ही कहा जायेगा।

स्मरण रखिये महाशक्ति संपन्न, विष्णु के अवतार श्री राघव को भी रावण वध से पूर्व भगवती शक्ति का आवाहन कर आशीर्वाद लेना पड़ा था. हमारे अवतारी पुरुष और वीर पराक्रमी गुरु दुष्ट हन्ता, जनसंगठक, मयार्दा रक्षक, प्रजा वत्सल, अत्यंत सौम्य, अक्रोधी, शालीन, भद्र, सबकी सुनने वाले और विनम्र रहे हैं। हमारे महापुरुषों ने जीवन भर जन हित के लिए संघर्ष किया- उनको जीवन में कभी लौकिक सुख नहीं मिला - विलासिता और ऐश्वर्य से कोसों दूर रहे।

क्या हम अपने अवतारी महापुरुषों के जीवन से कुछ सीखते हैं?

यदि कृष्ण शक्ति, नीति और पराक्रम के योद्धा पुरुष थे जिनको सुदर्शन चक्र के प्रतापी रूप से जाना गया तो राम मयार्दा भक्षक रावण तथा उसके पुत्रों के वध के बाद उसकी स्वर्णमयी लंका भस्म कर- 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' कहते हुये अयोध्या लौटे-और कृष्ण ने मथुरा वृंदावन से हजारों मील दूर गुजरात में देहोत्सर्ग किया। दोनों ही अवतारी पुरुष शक्ति और पराक्रम के अन्यतम उदाहरण हैं। अर्थात जहाँ आवश्यक हो वहां अरि हनन कर सज्जनों को अभय देना ही हिन्दू सनातन परंपरा का प्राचीनतम सन्देश रहा है। शक्ति का उपार्जन करना, स्वयं को शत्रु से अधिक बलशाली बनाना, पश्चाताप रहित शत्रु को कभी क्षमा नहीं करना, उसके प्रति कोई दया भाव नहीं दिखाना, सत्य और धर्म रक्षा के लिए प्रत्येक पग उठाने का साहस रखना ही सनातन नियम है।

वर्तमान सन्दर्भों में भारत के आराधकों का विजय पथ पर आरोहण एक नए युग के प्रवर्तन का प्रतीक है। एक ओर यदि हिंदू उत्कर्ष की पुनः प्राप्ति हमारे संघर्ष के अटूट सातत्य का स्वर्णिम अध्याय है तो यह भी सत्य है कि सनातन पथ पर सनातन का नाम लेने वालों ने ही अति दुर्गम कंटक भी बोये, हिन्दू निर्वीर्य दुर्बलताओं का अनुभव भी हुआ, शक्ति अर्जन और जन संगठन में कमियां रहीं। 'तुम विजयी हो गए तो क्या हुआ, पहले यह बताओ मुझको क्या मिला?' इस प्रकार के भाव लेकर सनातन ही सनातन की पराजय का कारण बना। यह इस प्रकार था मानों लंका विजय के बाद हनुमान श्री रघुवीर से पूछें कि अब मुझे कौन सा मंत्रालय मिलेगा? अयोध्या वालों ने तो कोई युद्ध नहीं किया, इसलिए अधिकांश पद, वानर और रीछ जातियों के लिए आरक्षित होने चाहिए। इस भाव के विरुद्ध जन संगठन और राष्ट्र धर्म सर्वोपरि मानने का भाव सनातन की विजय सुनिश्चित करता है। जितना भी यह भाव बढ़ेगा हिंदू उत्कर्ष उतना ही निकट आएगा।

खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक बड़ा खतरा

डॉ. सनी धीमान/ डॉ. अनु कुमार

आधुनिक युग में, हमारी वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला दक्षता और नवीनता का चमत्कार है। जिससे हम दुनियाभर के विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकते हैं। हालांकि, इस सुविधा की सतह के नीचे एक घातक खतरा छिपा हुआ है : माइक्रोप्लास्टिक। ये छोटे प्लास्टिक कण, जो अक्सर नग्न आंखों के लिए अदृश्य होते हैं, उत्पादन से लेकर खपत तक, आपूर्ति श्रृंखला के हर चरण में हमारे भोजन को दूषित कर रहे हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हर जगह हैं, समुद्र की गहराई से लेकर सबसे ऊंची चोटियों तक, और उन्होंने हमारे ग्रह के सबसे दूरस्थ कोनों में भी घुसपैठ की है। ये छोटे कण विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होते हैं, जिनमें प्लास्टिक की बड़ी वस्तुओं का टूटना, व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले माइक्रोबीड्स और कपड़ों से निकलने वाला सिंथेटिक फाइबर का अंश शामिल होता है। एक बार पर्यावरण में आने पर उन्हें हवा और पानी के जरिये लंबी दूरी तक ले जाया जा सकता है। अंततः हमारी खाद्य श्रृंखला ही दूषित होती है। प्राथमिक मार्गों में से एक, जिसके माध्यम से माइक्रो प्लास्टिक्स हमारी खाद्य आपूर्ति में प्रवेश करता है, जल स्रोतों के संदूषण के माध्यम से होता है। नदियां, झीलें और महासागर प्लास्टिक कचरे के भंडार के रूप में तब्दील हो गए हैं, जो धीरे-धीरे छोटे और छोटे टुकड़ों में टूट जाता है। समुद्री जानवर इन कणों को भोजन समझने की गलती करते हैं, उन्हें निगलना और प्लास्टिक प्रदूषण के अनजाने वाहक बन जाते हैं। चूंकि बड़े शिकारी इस दूषित शिकार का उपभोग करते हैं, माइक्रोप्लास्टिक्स खाद्य श्रृंखला को जैव संचय करते हैं, अंततः मनुष्यों तक पहुंचते हैं।

लेकिन माइक्रोप्लास्टिक का खतरा समुद्री भोजन के साथ समाप्त नहीं होता है। हाल के अध्ययनों में पाया गया है कि इन छोटे कणों ने नमक, शहद और यहां तक कि बीयर सहित अन्य खाद्य स्रोतों में भी घुसपैठ की है। हमारे पर्यावरण में प्लास्टिक की बहुतायत उपलब्धता का मतलब है कि खाद्य श्रृंखला का कोई भी कोना संदूषण से सुरक्षित नहीं है।

माइक्रोप्लास्टिक्स के खाद्य श्रृंखला का हिस्सा बनने से इसके

स्वास्थ्य पर प्रभाव के निहितार्थ अभी भी पूरी तरह से समझे जा रहे हैं, लेकिन हालिया शोध से पता चलता है कि ये मानव स्वास्थ्य के लिए बड़े जोखिम पैदा कर सकते हैं। नये अध्ययनों ने माइक्रोप्लास्टिक्स के संपर्क को स्वास्थ्य समस्याओं की एक शृंखला के साथ जोड़ा है, जिसमें सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव और जठरांत्र संबंधी मार्ग को नुकसान शामिल है। इसके अलावा, चिंता है कि माइक्रोप्लास्टिक्स हानिकारक रसायनों के लिए प्रसारक के रूप में कार्य कर सकता है, जैसे कि अंतःस्रावी अवरोधक और कार्सिनोजेन्स, जो प्लास्टिक के कणों से शरीर में लीच कर सकते हैं। मानव स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष प्रभाव से परे, माइक्रोप्लास्टिक पर्यावरण और वन्यजीवों के लिये भी खतरा पैदा करता है। प्लास्टिक को निगलने वाले समुद्री जानवर अक्सर आंतरिक चोटों, भुखमरी और प्रजनन समस्याओं से पीड़ित होते हैं, जिससे इनकी आबादी में गिरावट और पारिस्थितिकी तंत्र में व्यवधान होता है। मिट्टी और पानी में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति भी कृषि उत्पादकता और जैव विविधता पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है, जिससे हम जिस पर्यावरणीय संकट का सामना कर रहे हैं, वह और बढ़ सकता है।

हमारी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में माइक्रोप्लास्टिक संदूषण के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और बायोडिग्रेडेबल विकल्पों के विकास जैसे उपायों के माध्यम से अपने स्रोत पर प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के प्रयास आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, हमारी खाद्य आपूर्ति में माइक्रोप्लास्टिक्स के प्रसार को रोकने के लिए खाद्य उत्पादन और पैकेजिंग प्रक्रियाओं की अधिक कठोर निगरानी और विनियमन की आवश्यकता है।

उपभोक्ताओं के रूप में, माइक्रोप्लास्टिक संकट से निपटने में भी हमारी भूमिका है। न्यूनतम प्लास्टिक पैकेजिंग वाले उत्पादों का चयन करके, स्थिरता को प्राथमिकता देने वाली कंपनियों का समर्थन करके, और अपनी प्लास्टिक की खपत को कम कर-के, हम प्लास्टिक की मांग को कम करने और पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। हमारी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में माइक्रोप्लास्टिक्स की व्यापकता वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के परस्पर संबंध और प्लास्टिक प्रदूषण संकट को दूर करने के लिए कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाती है। केवल व्यक्तिगत, कॉर्पोरेट और सरकारी स्तरों पर ठोस प्रयासों के माध्यम से हम अपनी खाद्य आपूर्ति की रक्षा करने और भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने की उम्मीद कर सकते हैं। अब कार्रवाई करने का समय आ गया है।

मानवता के कल्याण के लिए समर्पित था महावीर स्वामी का विचार

ऋचा सिंह

हमारे देश में अनेक ऐसे संत ज्ञानी महापुरुष हुए हैं जिन्होंने न केवल भारत वरन पूरे विश्व में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाया है महावीर स्वामी उनमें से एक थे। जैन अनुश्रुतियों और परंपराओं के अनुसार जैन धर्म की उत्पत्ति और विकास में 24 तीर्थंकर सम्मिलित हैं इनमें से 22 तीर्थंकरों की ऐतिहासिकता स्पष्ट और प्रमाण रहित है। अंतिम दो तीर्थंकर पार्श्वनाथ (23वें) एवं महावीर स्वामी (24 वें) एवं अन्तिम तीर्थकर की ऐतिहासिकता को जैन धर्म के ग्रंथों में प्रमाणित किया गया है।

महावीर स्वामी जैन धर्म के 24 वें और अन्तिम तीर्थंकर थे। जैन धर्म की स्थापना का श्रेय इन्हें ही दिया जाता है क्योंकि इस धर्म के सुधार तथा व्यापक प्रचार प्रसार इनके समय में ही हुआ था। महावीर स्वामी का जन्म करीब ढाई हजार वर्ष पहले ईशा से 540 वर्ष पूर्व वैशाली गणराज्य के कुंड ग्राम में ज्ञागृत वंशी क्षत्रिय परिवार में हुआ था। इनके पिता सिद्धार्थ कुंड ग्राम की क्षत्रिय कुल के प्रधान तथा माता त्रिशला लक्ष्मी नरेश चेटक की बहन थी। इनका जन्म तीसरी संतान एवं वर्द्धमान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को हुआ। वर्द्धमान को वीर, अतिवीर और समंती भी कहा जाता था। वर्द्धमान को लोग श्रेयांश और यशस्वी भी कहते थे। इनके बड़े भाई का नाम नंदीवर्धन एवं बहन का नाम सुदर्शना था। वर्द्धमान का बचपन राजमहल में राजसी सुखसुविधा में बीता वो बड़े निर्भीक और साहसी थे। जब यह आठ वर्ष के हुए तो उन्हे पढ़ने, शिक्षा लेने, शस्त्र शिक्षा लेने के लिए शिल्प शाला में भेजा गया। वर्द्धमान का विवाह यशोदा नामक राजकान्या से हुआ इनकी अंवद्धा नाम की बेटी भी थी, कालांतर में जिसका विवाह जमालि से हुआ जो इनके शिष्य भी थे। 30 वर्ष की आयु में वर्द्धमान ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर आत्म ज्ञान और कल्याण के पथ पर निकल गए। वर्षों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें कैवल्य (ज्ञान) प्राप्त हुआ इसी कारण इन्हें केवलिन भी कहा जाता है। जिसके पश्चात उन्होंने संवत शरण में ज्ञान प्रसारित किया। अपनी सभी इंद्रियों पर विजय पाने के कारण वे "जिन" अर्थात विजेता कहलाए और इसी कारण उनके अनुयाई जैन कहलाते हैं। अपनी साधना में अडिग रहने तथा पराक्रम दिखाने के कारण इन्हें महावीर नाम से संबोधित कर महावीर स्वामी बना दिया गया। 72 वर्ष की आयु में इन्हें पावापुरी में मोक्ष की प्राप्ति हुई। इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयाई बने जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिंबिसार कुदिक और चेतन भी शामिल थे।

जैन धर्म को मानने वाले प्रमुख राजा थे उदायिन, चंद्रगुप्त मौर्य, कलिंग का शासक खारवेल, राष्ट्रकूट शासक अमोघ वर्ष, चंदेल शासक इत्यादि। महावीर स्वामी के उपदेशों उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों, विधानों का जनमानस पर बड़ा व्यापक प्रभाव पड़ा उनके

समय में उत्तरी भारत में तो इस धर्म के प्रचार प्रसार हेतु कई केदो की भी स्थापना की गई सामान्य जनों के अतिरिक्त बिंबिसार तथा उनके पुत्र अजातशत्रु जैसे राजा भी महावीर स्वामी के उपदेशों से प्रभावित हुए। जैन समाज द्वारा महावीर स्वामी के जन्मदिवस को महावीर जयंती तथा उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है।

जैन ग्रंथों के अनुसार समय-समय पर जैन धर्म के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है। जो सभी जीवो को वास्तविक आत्मिक सुख व शांति प्राप्ती का उपाय बताते हैं। तीर्थंकरों की संख्या 24 ही कही गई है जिसमे महावीर वर्तमान पीढ़ी के 24 वें और अंतिम तीर्थंकर थे। हिंसा, पशु ,बलि जात-पात का भेदभाव जिस युग में बढ़ गया उसी युग में महावीर स्वामी का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताएं जो अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, असतेय और ब्रह्मचर्य हैं। उन्होंने अनेकांतवाद, स्यादवाद और अपरिग्रह जैसे अद्भुत सिद्धांत दिए। महावीर के सर्वोदय तीर्थ में जाति की सीमाएं नहीं थी। महावीर स्वामी का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक सी है इसलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हो यही महावीर स्वामी का जियो और जीने दो का सिद्धांत था।

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रतिमान, प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्हें एक लंगोटी तक का परिग्रह नहीं था। उन्हें हिंसा ,पशु बलि, जाती, पद के भेदभाव से घृणा थी। महावीर स्वामी के माता-पिता जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जो महावीर से 250 वर्ष पूर्व हुए थे उनके अनुयाई थे। महावीर स्वामी ने चातुर्याम धर्म में ब्रह्मचर्य जोड़कर पांच महाव्रत रूपी धर्म चलाया। यह सबसे प्रेम का व्यवहार करते थे उन्हें इस बात का अनुभव हो गया था कि इंद्रियों का सुख विषय वासनाओं का सुख दूसरों को दुख पहुंचा करके ही पाया जा सकता है इसलिए वह इंद्रिय सुख को महत्व नहीं देते थे। महावीर जी की 28 वर्ष की उम्र में उनके माता-पिता का देहांत हो गया जेष्ठ बंधु नंदीवर्धन के अनुरोध पर वे दो बरस तक घर पर रहे बाद में 30 वर्ष की उम्र में वर्धमान ने श्रावणी दीक्षा लेकर वह श्रवण बन गए उनके शरीर पर परिग्रह के नाम पर एक लंगोटी भी नहीं रही अधिकांश समय वे ध्यान में ही मगन रहते, हाथ में ही भोजन कर लेते, गृहस्तों से कोई चीज नहीं मांगते थे। धीरे-धीरे उन्होंने पूर्ण आत्म साधना प्राप्त कर ली।

महावीर स्वामी ने 12 वर्ष तक मौन साधना, तपस्या की और तरह-तरह की कष्ट झेले अंत में उन्हें कैवल्य (ज्ञान) प्राप्त हुआ। कैवल्य ज्ञान प्राप्त होने के बाद महावीर ने जन कल्याण के लिए उपदेश देना शुरू किया। वह अर्धमगधी भाषा में भी उपदेश करने लगे ताकि जनता उसे भली-भांति समझ सके। महावीर ने अपने प्रवचनों में अहिंसा, सत्य, असते, ब्रह्मचर्य और परिग्रह पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम प्रेम और करुणा सील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। महावीर स्वामी ने श्रमण और श्रमणी, श्रावक और श्राविका सबको लेकर चतुर्विद् संघ की स्थापना की उन्होंने कहा जो जिस अधिकार का हो वह उसी वर्ग में आकर सम्यकतत्त्व पाने के लिए आगे बढ़े। जीवन का लक्ष्य शांति पाना है। धीरे-धीरे देश के भिन्न-भिन्न भागों में घूम कर महावीर स्वामी ने अपना पवित्र संदेश फैलाया, महावीर स्वामी ने 72 वर्ष की अवस्था में ईसा पूर्व 527 में पावापुरी (बिहार) में कार्तिक (अश्वनी) कृष्ण अमावस्या को निर्वाण प्राप्त किया। इनके निवार्ण दिवस पर जैन धर्म के अनुयाई घर-घर दीपक जला कर दीपावली मनाते है।

सिलेंडर फटने से नौ लोगों की रिहायशी मड़ई जलकर राख

चहनियां। बलुआ थाना क्षेत्र के नादी पुरवा पर सीताराम निषाद के घर तिलक समारोह के बाद मड़ई में आग लगने व तीन सिलेंडर फटने से नव लोगो की रिहायशी मड़ई जलकर राख हो गयी ।वही तीन लोगों की आंशिक रूप से क्षति हुई है ।जिसमे 7 बकरी, 4 बकरी के बच्चे, 3 मोटर साइकिल ,9 सायकिल ,1 ठेला , खाद्य सामग्री, कपडा सहित टेंट हाउस का सामान भी सब जलकर राख हो गया ।आग इतनी भयावह थी कि लोग सीवान में भागकर जान बचाये ।पूरी गांव में अफरा तफरी मची रही ।सभी परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया ।लेखपाल ने पहुचकर मौका मुआयना करके उच्चाधिकारीयों को रिपोर्ट भेजी ।नादी गांव के पुरवा में शुक्रवार की शाम को चंद्रिका निषाद की पुत्री की शादी व भोला निषाद के पुत्र सीताराम का तिलक समारोह था ।तिलक बीतने के बाद तीनों सिलेंडर व अन्य सामग्री रिहायशी मड़ई में रखकर रुके रिस्तेदारो को

भोजन करा रहे थे । अचानक मड़ई में आग लग गयी ।रात में तेज हवा के कारण आग इतनी तेज हो गयी कि आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया ।मड़ई में रखा तीनो सिलेंडर में भी आग लग गयी ।सिलेंडर में आग लगने के बाद ग्रामीण व परिजन एक किलोमीटर दूर भाग खड़े हुए । देखते ही देखते बगल में स्थित शंकर निषाद, दुलारे निषाद,संकठा निषाद,भोला निषाद,सबरजीत, भानु, श्याम देई, बजरंगी, प्रेम सागर का भी रिहायशी मड़ई धु धु कर जलने लगा । जिसमे सात बकरी, तीन बाइक,नव सायकिल, ठेला, घर गृहस्थी का सब सामान जलकर राख हो गया । वही पास स्थित सारनाथ, सरनपति,रामबली का भी रिहायशी मड़ई आंशिक रुप से जल गया। इन लोगो का भी समान जलकर नष्ट हो गया ।मौके पर बलुआ इंस्पेक्टर शैलेश मिश्रा,चौकी इंचार्ज अभिषेक शुक्ला भी पहुँचे । शनिवार की सुबह लेखपाल रामाशीष ने पहुँच कर मौका मुआयना किया।

लॉलोई रग्स द्वारा अली कारपेट में बुनकरों के लिए किया गया निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन

भदोही। आयातक अमेरिकन कंपनी लॉलोई रग्स द्वारा औराई रोड़ स्थित भदोही के प्रतिष्ठित संस्थान अली कारपेट्स में बुनकरों के लिये निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को एक एनजीओ की नेत्र विशेषज्ञ टीम द्वारा सफल कार्यान्वित किया गया।अली कारपेट के संस्थापक हाजी शौकत अली अंसारी ने कहा की कारपेट इंडिस्ट्री में बुनकर एक नीव की तरह काम करते है और लोलोई ने बुनकरों के लिए जो कदम उठाया है वो बहुत ज्यादा सराहनीय है। भविष्य में इस तरह के परियोजनाओं में लोलोई के साथ मिलकर सामाजिक कार्य को बढ़ावा देंगे। लॉलोई टीम के इंडिया बिजनेस प्रतिनिधी आशीष भाटिया एवं सीएसआर प्रतिनिधि हेमचंद साँखी ने बताया की लॉलोई अपने बिजनेस पार्टनर के बुनकरों के लिए नेत्र जाँच के लिए एक शुरूआती पहल कर रहा है इस साल का लक्ष्य 2000 बुनकरों का निशुल्क जांच करवाना है। आशीष भाटिया ने बताया 500 बुनकरों की निशुल्क जांच संपन्न हो गयी है और 370 बुनकरों को निःशुल्क चश्मे वितरित किये गए और 50 बुनकरों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए निकट के चैरिटेबल एवं सरकारी अस्पताल में रेफर किया गया। एनजीओ की चिकित्सक टीम को इस उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित भी किया गया।

भदोही के देवेश ने हाईस्कूल में और शिक्षा ने इंटरमीडिएट में मारी बाजी

भदोही। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से शनिवार की दोपहर दो बजे बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी कर दिए गए। जिले में 56148 परीक्षार्थियों ने 10वीं और 12वीं का बोर्ड एक्जाम दिया था। हाईस्कूल की परीक्षा में देवेश कुमार कन्नौजिया और इंटर की परीक्षा में शिक्षा देवी ने जिला टॉप किया। जिले के दो होनहारों ने हाईस्कूल ऑल यूपी टॉप टेन रैंक में जगह बनाई। यूपी बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षा 16 फरवरी से शुरू होकर नौ मार्च तक चली थी। जिले में कुल 96 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के कुल 56148 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है। जिसमें हाईस्कूल के 30181 और इंटरमीडिएट के 25967 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। शनिवार की दोपहर बोर्ड की ओर से जारी परीक्षा परिणाम में हाईस्कूल की परीक्षा में एचआर स्कूल रामनगर, भदोही के छात्र देवेश कुमार कन्नौजिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें 600 में 582 अंक प्राप्त हुए। ऑल यूपी रैंक में ये नौंवे स्थान पर रहे ।इसी तरह इंटर की परीक्षा में शिक्षा देवी को 500 में 481 अंक प्राप्त हुए। ये कंसापुर राजकीय इंटर कॉलेज की छात्र हैं। इन्होंने इंटर की ऑल यूपी टॉप टेन रैंक में नौंवा स्थान प्राप्त किया।

हजरत अंजान शहीद बाबा मजार पर चादरपोशी की गई

सकलडीहा। क्षेत्र के रेवसा गांव स्थित हजरत अंजान शहीद बाबा का दो दिवसीय सालाना उर्स विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी चादर व गागर के साथ धूमधाम से मनाया गया। जुलूस निकालकर इलाके में भ्रमण करने के बाद बाबा के मजार पर चादरपोशी की गयी। इसके पूर्व लोग दुआख्वानी के लिए जुटे। जायरीनो ने दुआख्वानी की और देश दुनिया की भलाई के लिए कामना की।इस दौरान पूरा परिसर में मेले जैसा दृश्य हो गया था।क्षेत्र के रेवसा गांव में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष की हजरत अंजाम शहिद बाबा का सालाना उर्स की तैयारी पिछले कई दिनों से चल रही थी। शहीद बाबा का मजार फूल मालाओ व विद्युत झालरों से सजा हुआ था। शनिवार को नमाज फर्ज से पहले बाबा के आस्ताने पर गुस्ल किया गया। इसके बाद कुरानखानी , महफिले मिलाद शरीफ हुई। इसके उपरांत चादर व गागर का जुलूस निकालकर गाजे बाजे के साथ पूरे इलाके में भ्रमण किया गया। बाबा के मजार पर पहुंचकर चादरपोशी की गई। लंगर के रूप में लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। वहीं देर रात तक कव्वाली का कार्यक्रम चला रहा। इस मौके पर कमेटी के सदर रेकाबुद्दीन, इंतखाब आलम ,सलामुद्दीन, शेख परवेज, अनवरूजमा, सम्मी, विक्की प्रधान, अमित यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

आग से दुकान का पांच लाख का नुकसान

जौनपुर। नगर पंचायत कजगाव कस्बे के सादात मसौड़ा में षनिवार की भोर में शॉर्ट सर्किट से एक इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में आग लग गयी।आग से दुकान ने रखा पांच लाख का सामान जल गया।उक्त मुहल्ले के निवासी शमीम अहमद पुत्र जलील अहमद की इनवर्टर, बैटरी, टीवी तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान थी।मकान के नीचे दुकान थी तथा उसी के ऊपर पूरा परिवार रहता है।शनिवार की भोर में दुकान में आग लग गयी। आग ने विकराल रूप पकड़ लिया। उसी समय शमीम के छोटे पुत्र आदिल की आंख खुली तो घर मे चारो तरफ धुंआ धुंआ दिख रहा था। उसने शोर मचाकर परिवार के लोगों को उठाया।उसके बाद सब किसी तरह सीढ़ी से उतरकर नीचे पहुंचे।तब तक आस पास के लोग भी पहुंच कर आग को बुझाने लगे।आग ने सब जला दिया।आग से दुकान के पटिया भी टूट गए। अब परिवार पूरी तरह से बर्बाद हो गया है।

श्रवण गुप्ता का मोटरसाइकिल सीडी डीलक्स सकुशल उनको मिला वापस

धानापुर। क्षेत्र के तीन लोग दो मोटरसाईकिल से आये और आवेदक की मोटरसाईकिल रास्ते में छीन लिया गया तथा छीन कर मोटरसाईकिल को लेकर भाग गये हैं।सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर जाकर जांच किया गया तो पाया गया कि आवेदक द्वारा मोटरसाईकिल हीरो डीलक्स सं. ढइ02ऋड5639 को लोन पर खरीदा गया था।जिस पर वर्तमान में 40579/- रुपए लोन बकाया था। जिसकी एक किस्त 3100/- रुपए की थी। आवेदक श्रवण गुप्ता द्वारा कुल 03 किस्त को समय से जमा नही किया गया था। जिसके कारण वाहन मोटरसाईकिल उपरोक्त को हीरो मोटोकार्प कम्पनी से जुड़े कर्मचारियों द्वारा मोटरसाईकिल को आवेदक से ले लिया गया।जिसके क्रम में आवेदक द्वारा अपनी मोटरसाईकिल अज्ञात लोगों द्वारा छीन लेने की सूचना दी गयी।आवेदक से मोटरसाईकिल लेने वाले व्यक्तियों द्वारा आवेदक को मोटरसाईकिल लेने से सम्बन्धित कागजात/रसीद भी उपलब्ध कराया गया था, जो आवेदक ने बाद में उपलब्ध कराया। उक्त रसीद में अंकित विवरण मोबाईल नम्बर की जांच से पाया गया कि वाहन को कम्पनी के कर्मचारीगण द्वारा ही आवेदक से लिया गया था। आवेदक द्वारा समय से मोटरसाईकिल की किस्त जमा न करने के कारण आवेदक की मोटरसाईकिल को मोटोकार्प कम्पनी के सीजर द्वारा अपने कब्जे में लेकर आवेदक को उसकी रसीद प्रदान की गयी थी।

वैवाहिक समारोह से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

सीतामढ़ी। कोइरौना थानाक्षेत्र मन्नी गांव के पास बृहस्पतिवार की देर रात जंगीगंज- धनतुलसी मार्ग पर वैवाहिक समारोह से लौट रहे एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई।शुक्रवार की सुबह शव घर पहुंचा। कोइरौना थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिजन और रिश्तेदार गमगीन हो गए। चौरी के समालकोट निवासी शिवम सरोज (28) पुत्र शमशेर कोइरौना के शांतिपुर बहपुरा गांव में बरात में आया था। द्वारपूजा और भोजन के बाद वह साथी के साथ बाइक से घर के लिए लौट रहा था। इसी दौरान जंगीगंज- धनतुलसी मार्ग पर उसकी बाइक पिकअप की चपेट में आ गई। बाइक उसका साथी चला रहा था। बृहस्पतिवार को समालकोट निवासी अच्छेलाल सरोज के बेटे गोविंद की कोइरौना के शांतिपुर बहुपुरा में बरात गई थी।द्वार पूजा के बाद अच्छेलाल के बहनोई रामआसरे सरोज 35 और पड़ोसी शिवम सरोज 32 देर रात एक ही बाइक पर सवार होकर घर के लिए निकले थे। इसी बीच जंगीगंज-।धनतुलसी मार्ग पर पिकअप की चपेट आने से दोनों घायल हो गए। स्थानीय लोग दोनों को क्षेत्र के एक निजी में अस्पताल में ले गए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने शिवम को वाराणसी रेफर कर दिया।

लाखों खर्च के बाद भी नहीं सुधर सकी सामुदायिक शौचालयों की स्थिति

चकिया। प्रदेश सरकार के द्वारा जहां गांवो को खुले मे शौच से मुक्त करने को लेकर लगातार जहां ब्लाक के अधिकारियों के द्वारा जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाते हुए खुले मे शौच से होने वाली बीमारियों को लेकर लोगों को जागरूक किया जाता है तथा स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत लाखों रुपये खर्च करते हुए सभी गांवों मे सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया जिसका प्रमुख उद्देश्य था की जनपद मे गांवो के सभी गांव के लोगों को सामुदायिक शौचालय योजना का लाभ उपलब्ध हो सके। मगर जमीनी स्तर पर लाखों खर्च के बाद भी शासन की स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत बने सामुदायिक शौचालय योजनाओं मे ग्रहण लगता नजर आ रहा है। सामुदायिक शौचालय खुले भी है तो दुर्वस्था के कारण ग्रामीण सामुदायिक शौचालय का उपयोग नही कर पा रहे है। सामुदायिक शौचालयो मे लाखों

खर्च के बाद सामुदायिक शौचालय योजना की कैसे दम तोडती नजर आ रही है तथा जमीनी हकीकत देखनी है तो आप चकिया ब्लाक के लठीया गांव मे देख सकते है जहां स्वच्छ भारत मिशन के तहत सरकार के द्वारा लाखों रुपये निर्मित शौचालय का निर्माण कराया गया। शौचालय निर्माण के बाद भी सामुदायिक शौचालय की स्थिति बदहाल हो गई। तथा सामुदायिक शौचालय के दरवाजे तक टुट गये है। शौचालय निस्प्रयोजित घोषित हो गये ग्रामीणों ने कई बार गांव के ग्राम प्रधान व ब्लाक के जिम्मेदारो से फरियाद भी लगाई गई लेकिन आज तक कोई सुनवाई नही हुई तथा सामुदायिक शौचालय निस्प्रयोजित साबित हो गयी है। ग्रामीणों को सामुदायिक शौचालय योजना का लाभ दिलाने व जर्जर शौचालय की मरम्मत को लेकर जनपद के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया है।

आइडियल कोचिंग के छात्र-छात्राओं ने लहराया सफलता का परचम

विशाल यादव 91.33% प्रथम हाई.

सुमित पाल 90.33% द्वितीय हाई.

मंगेश प्रजापति 86.5% तृतीय हाई.

सूरज कुमार 88% प्रथम इण्टर

अयान खान 84% द्वितीय इण्टर

आकाश यादव 83.3 प्रतिशत तृतीय

करण्डा (गाजीपुर)। यूपी बोर्ड 2024 के हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा में जिले के प्रतिष्ठित संस्थान **आईडियल कोचिंग सेंटर** कुचौरा करण्डा गाजीपुर के छात्रों ने अपने क्षेत्र एवं संस्थान का नाम रोशन किया है। कक्षा 10 के छात्र कुचौरा निवासी विशाल यादव पुत्र सूर्य प्रकाश यादव ने 91.33 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान एवं सलारपुर निवासी सुमित पाल ने 90.33 प्रतिशत अंक पाकर द्वितीय स्थान एवं आनापुर निवासी मंगेश प्रजापति ने 86.5 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इसी क्रम में इण्टरमीडिएट में सलारपुर निवासी सूरज कुमार 88 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान एवं सिकन्दरपुर निवासी अयान खान ने 84 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। ज्ञातव्य हो कि आईडीएल कोचिंग सेंटर ने अपनी स्थापना वर्ष से ही बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम देने की परंपरा को इस वर्ष भी कायम रखा है, जो ग्रामवासियों एवं क्षेत्र वासियों के बीच अपने उत्तम अनुशासन एवं आदर्श शैक्षिक वातावरण तथा कुशल अध्यापन के लिए जाना जाता है। संस्थान के प्रबंधक वाजिद सर ने छात्रों की सफलता पर अपनी हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की और समस्त सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने बताया कि छात्रों की सफलता में संस्थान के विद्वत गुरुजनों एवं उनके अभिभावक परिवारी जनों का बहुत बड़ा योगदान है, मैं उनके योगदान के प्रति भी सादर आभार व्यक्त करता हूं।

कक्षा- 10 गणित में अधिकतम स्कोर- सुमित पाल- 98, विशाल यादव- 97, रौनक गौड़- 93,

संक्षिप्त खबरें

बहरूल उलूम ओरिएंटल कॉलेज की रिया हाईस्कूल तथा सानिया इण्टर में रही अव्वल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट शनिवार को घोषित होते ही परीक्षार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस परीक्षा में छात्राएं छात्रों पर भारी रहीं। बहरूल उलूम ओरिएंटल इंटर कालेज बहरियाबाद की छात्रा कुमारी सानिया पुत्री मोहम्मद हासिम इंटरमीडिएट की बोर्ड की परीक्षा में पूरे विद्यालय परिवार में 83% अंक प्राप्त कर परिजनों और विद्यालय परिवार का नाम रोशन किया है। वहीं रिया मौर्य पुत्री अशोक मौर्य ने बहरुल उलूम ओरिएंटल इंटर कॉलेज बहरियाबाद गाजीपुर में हाई स्कूल की परीक्षा में छात्रा ने 91% अंक प्राप्त कर विद्यालय परिवार में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पूरे विद्यालय परिवार की तरफ से विशेष रूप से प्रबंधक अब्दुल वाजिद अंसारी ने दोनों छात्राओं को शुभकामनाएं और बधाइयां दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वाराणसी के विभोर और मुकेश अंडर 17 के निर्णायक नियुक्त

प्रखर वाराणसी। जनपद के खतिलब्ध बॉस्केट बॉल खिलाड़ी विभोर भृगुवंशी तथा मुकेश पाण्डेय को स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से गुरुग्राम में आयोजित होने वाले खेल प्रतियोगिता जो 26 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024 तक होनी है। इन दोनो खिलाड़ियों को राष्ट्रीय अंडर 17 स्कूल बास्केटबॉल गेम्स के लिए निर्णायक नियुक्त किया गया है। दोनों ही निर्णायक वाराणसी के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत है। विभोर भृगुवंशी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल प्रशिक्षक तथा राष्ट्रीय बी पैनल के निर्णायक है तथा मुकेश पाण्डेय फीबा लेवल 1 लाइसेंस धारी प्रशिक्षक तथा राष्ट्रीय बी पैनल के निर्णायक है।

तिवारी कोचिंग क्लासेस के छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में मारी बाजी, शत प्रतिशत रहा रिजल्ट

बदलापुर (जौनपुर)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित हाईस्कूल और इंटर की बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट शनिवार को रिजल्ट जारी हो गया। जिले के सात छात्रों ने प्रदेश की सूची में स्थान बनाकर नाम रोशन किया है। इसमें हाईस्कूल के तीन और इंटर के चार छात्र शामिल हैं। जिन्होंने प्रदेश भर में 9वां और 10वां स्थान हासिल किया है। रिजल्ट जारी होने के बाद घरों में खुशी का माहौल रहा। बेहतर अंक पाने वाले छात्रों का विद्यालयों में स्वागत किया गया। इसी क्रम मे बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के घनश्यामपुर बाजार मे संचालित तिवारी कोचिंग क्लासेस के हाईस्कूल एवं इंटर के छात्र-छात्राओं का बोर्ड परीक्षा मे शत प्रतिशत परिणाम रहा। संचालक नीरज तिवारी ने बताया कि हाई स्कूल में आयुष यादव 93.5%, साहिल यादव 92.5%, प्रिंस यादव 93%, अश्वनी उपाध्याय 90.6%, कनिष्क मिश्रा 89.6% तथा इंटर मे दिव्यांश 92%, नैंसी 90%, स्वाति यादव 86 प्रतिशत अंक हासिल किया। संचालक नीरज तिवारी, अध्यापक राजन चतुर्वेदी, राजेश यादव, सुनील यादव अश्विनी मिश्र धीरज मिश्रा नवनीत गुप्ता मृदुल तिवारी पंकज दुबे आदि ने सभी छात्र छात्राओं को बोर्ड परीक्षा में सफल होने पर शुभकामनाएं दी।

हाईस्कूल में रिया, इंटर में दीपा विद्यालय में प्रथम

चुनार। यूपी बोर्ड द्वारा घोषित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की शनिवार को घोषित परीक्षाफल में नगर में स्थित श्री हीरालाल वर्मा इंटर कालेज की छात्रा रिया श्रीवास्तव पुत्री संतोष कुमार ने हाईस्कूल परीक्षा में 90.8% (545) अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है वहीं दीपा प्रजापति पुत्री जयप्रकाश प्रजापति 90.6%(544) ने द्वितीय एवं शेर सिंह पुत्र गनपत सोनकर 87.8% (527) ने अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग में स्मित कुमार पुत्र भरत लाल 67.02% (336)अंक प्राप्त प्रथम तथा हिमांशु पटेल पुत्र वीरेंद्र पटेल 65.6% (328) द्वितीय एवं अनामिका पटेल पुत्री धर्मराज पटेल ने 62.8% (314) अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंटरमीडिएट कला वर्ग में विशाल सिंह पुत्र भरत लाल 75.2% (376) अंक प्राप्त कर प्रथम, काजल पुत्री राम सिंह 55.8% (279) द्वितीय एवं अंजली सोनकर पुत्री लल्लन प्रसाद ने 54.2% (271) अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय के प्रबंधक अवधेश कुमार वर्मा एवं प्रधानाचार्य सौरभ श्रीवास्तव ने उत्तीर्ण छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया है तथा विद्यालय के शत प्रशित परीक्षाफल के लिए शिक्षकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

नरवन में शिक्षा को मजबूत करने में हरगेंद सिंह की अहम भूमिका : बलराम पाठक

धीना। प्रगतिशील इंटर कालेज अमड़ा पर शनिवार को विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक व उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के भूतपूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संभागीय शिक्षा मंत्री स्वर्गीय हरगेंद सिंह का पुण्यतिथि मनाया गया।इनको वर्ष 1980 में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी एवं वर्ष 1999 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध सम्मान से सम्मानित किया गया था।कार्यक्रम में उनके जीवन चरित्र पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि हरगेंद सिंह समाज का ध्रुव तारा थे।जो व्यक्तियों को सदैव सही दिशा को इंगित करता है। आदर्श शिक्षक बलराम पाठक ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षक के पद पर रहते हुए समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं उनके कार्यों का अनुकरण हमें अपने जीवन में सदैव ही करना चाहिए जिससे कि हम समाज में उनकी यादों को जीवित रख सके।राज सिंह ने उनको याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से क्षेत्र का नाम अंतरराष्ट्रीय रूप में स्थापित किया है।अरुण सिंह ने कहा की उन्होंने समाज के लिए सदैव निस्वार्थ रूप से कार्य किया था।उनकी स्मृति लोगों के हृदय में सदैव रहेगी। सभा में अंकित सिंह ,विनीत सिंह, गौरव सिंह, नीरज सिंह, आलोक सिंह ,राजन सिंह ,पीयूष सिंह, देवेंद्र सिंह पवन सिंह , राजू सिंह एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मिट्टी की अवैध खनन में सात ट्रैक्टर सहित दो जेसीबी जब्त

सकलडीहा।जिलाधिकारी निखिल टी फूंडे के निर्देश पर उपजिलाधिकारी सकलडीहा अनुपम मिश्रा की ओर से लगातार खनन माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को एसडीएम के निर्देश पर खनन और राजस्व विभाग की संयुक्त रूप से टीम ने छापेमारी कर मिट्टी की अवैध खनन में सात ट्रैक्टर सहित दो जेसीबी को जब्त कर सीज की कार्रवाई शुरू करा दी गयी है। तहसील प्रशासन की इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में खलबली मच गया है। मिट्टी की अवैध खनन की लगातार ग्रामीणों की ओर से शिकायत किया जा रहा था। जिसको लेकर एसडीएम अनुपम मिश्रा की ओर से सभी राजस्व कर्मियों को निगरानी रखने का निर्देश दिया गया था। दोपहर में बलुआ थाना क्षेत्र के विशुपुर के समीप कैलावर में मिट्टी की अवैध खनन की शिकायत पर एसडीएम अनुपम मिश्रा के निर्देश पर नायब तहसीलदार अजीत कुमार जायसवाल और खनन अधिकारी गुलशन कुमार संयुक्त रूप से पुलिस फोर्स के साथ छापेमारी किया। इस दौरान सात ट्रैक्टर और दो जेसीबी को कब्जे में लेते हुए सीज करने की कार्रवाई शुरू करा दिया। इसकी जानकारी होते ही खनन माफियाओं में खलबली मच गया। इस बाबत एसडीएम अनुपम मिश्रा ने बताया कि अवैध खनन की शिकायत पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। इस मौके पर नायब तहसीलदार अजीत जायसवाल, खनन अधिकारी गुलशन कुमार, बलुआ एसओ शैलेश मिश्रा सहित अन्य रहे।

वोटिंग ट्रेंड बदलने का असर: ज्यादा वोटिंग से 7 में से 4 बार सरकार बदली

1977 से लेकर अब तक हुए 12 चुनावों में मतदान प्रतिशत 55 से 67 के बीच रहा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर शुक्रवार को पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ। पहले चरण के लिए देश की 21 राज्यों की 102 सीटों पर लगभग 63.7 प्रतिशत वोट डाले गए हैं। पिछले 47 सालों में हुए 12 लोकसभा चुनावों के आंकड़ों को देखने के बाद एक बात जो सामने आती है वो है कि चुनाव आयोग के तमाम प्रयासों के बाद भी देश के आम चुनावों में मतदान का आंकड़ा 60 से 70 प्रतिशत के आसपास ही रहा है। पिछले 12 चुनावों में सबसे कम मतदान 1991 में देखने को मिला जब 55.9 प्रतिशत मतदान हुए थे वहीं सबसे अधिक मतदान 2019 में हुआ था जब 67.4 प्रतिशत वोट पड़े थे। आइए जानते हैं कि कम मतदान और अधिक मतदान का चुनाव परिणाम पर क्या असर रहा है।

मतदान में बढ़ोतरी का क्या रहा है परिणाम पर असर : 12 में से 7 चुनावों में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी देखने को मिली. इन चुनावों के परिणाम पर नजर देने के बाद पता चलता है कि 7 में से 4 बार सरकार बदली। वहीं 3 चुनावों में सरकार नहीं बदली अर्थात सत्ताधारी दल को वोट परसेंट के बढ़ने का फायदा भी हो सकता है और नुकसान भी हो सकता है। साल 1984, 2009 और 2019 के चुनावों में वोट परसेंट के बढ़ने का लाभ सत्ताधारी दल को हुआ और उसकी बड़ी बहुमत के साथ वापसी हुई। 4 चुनाव ऐसे रहे हैं जब मतदान में बढ़ोतरी हुई और केंद्र की सरकार बदल गई। 1977, 1996, 1998 और 2014 के चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ ही सत्ता में भी परिवर्तन देखने को मिला।

मतदान प्रतिशत में गिरावट का क्या रहा है असर?

12 में से 5 चुनावों में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखने को मिले है। जब-जब मतदान प्रतिशत में कमी हुई है 4 बार सरकार बदल गई है। वहीं एक बार सत्ताधारी दल की वापसी हुई है। 1980 के चुनाव में मतदान प्रतिशत में गिरावट हुई और जनता पार्टी की सरकार सत्ता से हट गयी। जनता पार्टी की जगह कांग्रेस की सरकार बन गई। वहीं 1989 में एक बार फिर मत प्रतिशत में गिरावट दर्ज हुई और कांग्रेस की सरकार चली गई। विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी। 1991 में एक बार फिर मतदान में गिरावट हुई और केंद्र में कांग्रेस की वापसी हो गई। 1999 में मतदान में गिरावट हुई लेकिन सत्ता में परिवर्तन नहीं हुआ। वहीं 2004 में एक बार फिर मतदान में गिरावट का फायदा विपक्षी दलों को मिला।

60 प्रतिशत से अधिक मतदान होने पर किसे मिली जीत?

पिछले 12 चुनावों में से 1977, 1984, 1989, 1998, 1999, 2014 और 2019 के चुनावों में 60 प्रतिशत से अधिक वोट पड़े हैं। इन चुनावों के परिणाम को अगर देखें तो 1977, 1989, 1998 और 2014 के चुनावों में सत्ता में परिवर्तन देखने को मिली। वहीं तीन चुनाव 1989, 1999 और 2019 के चुनावों में 60 प्रतिशत से अधिक वोटिंग के बाद भी सत्ताधारी दलों की वापसी हुई।

60 प्रतिशत से भी कम मतदान प्रतिशत वाले चुनावों का हाल

जिन चुनावों में 60 प्रतिशत से कम वोट पड़े उन चुनावों के परिणाम पर अगर नजर डाले तो 1980 के चुनाव में 56.9 प्रतिशत वोट पड़े थे और केंद्र में सत्ता परिवर्तन हो गया था। जनता पार्टी की सरकार हार गई थी और कांग्रेस की वापसी हो गई थी। 1991 के चुनाव में 55.9 प्रतिशत वोट पड़े थे और केंद्र में एक बार फिर कांग्रेस की वापसी हो गई थी। 1996 के चुनाव में 57.9 प्रतिशत वोट पड़े थे खंडित जनादेश मिलने के बाद संयुक्त मोर्चा की सरकार बनी थी। 2004 और 2009 के चुनावों में भी कम वोट परसेंट रहे थे इन चुनावों में कांग्रेस की सरकार बनी थी।

पिछले तीन चुनाव से लगातार बढ़ रहे थे वोट परसेंट

पिछले तीन चुनावों से वोट परसेंट में बढ़ोतरी देखने को मिल रही थी. साल 2009 के चुनाव नें 2004 की तुलना में वोट परसेंट में बढ़ोतरी दर्ज की गयी थी. वहीं 2014 के चुनाव में 2009 की तुलना में बंपर वोटिंग हुई थी. इस चुनाव में लगभग 8 प्रतिशत अधिक वोट पड़े थे. वहीं 2019 के चुनाव में 2014 की तुलना में 1.6 प्रतिशत अधिक वोट पड़े थे।

वोट प्रतिशत में गिरावट के क्या कारण हो सकते हैं?

वोट प्रतिशत में गिरावट न सिर्फ उत्तर भारत के राज्यों में दर्ज किए गए हैं बल्कि यह गिरावट दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों में भी देखने को मिले हैं। उत्तर भारत में जहां भीषण गर्मी को भी इसका एक अहम कारण माना जा सकता है, लेकिन पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्यों में भी मत प्रतिशत में गिरावट देखने को मिली है। पूरे देश में एक ट्रेंड देखा गया है कि लगभग सभी राज्यों में 7 से 12 प्रतिशत तक मतों में गिरावट दर्ज की गई है।

हिमाचल के कांग्रेस नेता ने ली बीजेपी की सदस्यता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और एआईसीसी के हिमाचल प्रदेश प्रभारी सचिव तजिंदर सिंह बिट्टू ने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन कर ली है। तजिंदर सिंह बिट्टू ने इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा। तजिंदर सिंह बिट्टू ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता और एआईसीसी, हिमाचल प्रदेश के सचिव सह-प्रभारी पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। हिमाचल प्रदेश में चार लोकसभा सीटों के साथ छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में वोटिंग आखिरी चरण में एक जून को होगी।

'वोट दो पानी लो', डीके शिवकुमार पर एफआईआर

बेंगलुरु। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। ये केस एक हाउसिंग सोसायटी में रहने वाले लोगों को वोट के बदले पानी की आपूर्ति का वादा करने को लेकर दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर कर्नाटक के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर ने लिखा के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के खिलाफ़ आरआर नागरा में अपार्टमेंट में रहने वालों को संबोधित करने के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लघन किए जाने की वजह से बेंगलुरु की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम्स ने एफआईआर दर्ज की है।

भाजपा 'साउथ में साफ और नॉर्थ में हाफ' होगी

रायपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण की वोटिंग के बाद कांग्रेसी नेता सचिन पायलट की खुशी छिपाए नहीं छिप रही है। उन्होंने जोश में कहा, भाजपा का 'साउथ में साफ और नॉर्थ में हाफ' होने जा रही है। कांग्रेस के सब उम्मीदवार जीतेंगे। पहले चरण में कांग्रेस को बहुमत मिलेगा। राजस्थान में भाजपा से ज्यादा सीटें कांग्रेस जीतेगी। वे छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में लोकसभा चुनाव का प्रचार करने पहुंचे थे।

हिंसा की खबरों के बाद चुनाव आयोग का अहम फैसला

बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग में सीएपीएफ की 303 कंपनियां तैनात

● नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कूचबिहार सहित कई जिलों में हुई छिटपुट हिंसा से सबक लेते हुए अब निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण के चुनाव के लिए राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती बढ़ाने का फैसला किया है। दूसरे चरण का चुनाव आगामी 26 अप्रैल को होगा।

इन जिलों में तैनात होंगी कंपनियां: पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) ने कहा, /दूसरे चरण के अंतर्गत रायगंज, दार्जीलिंग और बालुरघाट जिलों में चुनाव होगा। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने इन जिलों में सीएपीएफ की 303 कंपनियों को तैनात करने का फैसला किया है, ताकि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से हो और राज्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति पैदा ना हो।

सूबे में पहले से मौजूद है सीएपीएफ की 273 कंपनियां: चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के मकसद से राज्य में सीएपीएफ की 273 कंपनियां पहले से ही है और 30 अन्य कंपनियां रविवार तक राज्य में पहुंच जाएगी। इस तरह राज्य में 303 कंपनियों को तैनात कर दिया जाएगा। 30 अतिरिक्त कंपनियां सिक्किम और मेघालय से आएंगी।

सीएपीएफ की तैनाती से सीएम ममता नाराज

सीएम ममता बनर्जी की नाराजगी के बीच राज्य में सुरक्षाबलों की अतिरिक्त कंपनियों की राज्य में तैनाती की जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को ममता बनर्जी ने सीएपीएफ के संदर्भ में लिखे गए पत्र को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा था। इससे पहले शुक्रवार को एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सवाल किया था कि आखिर आप राज्य पुलिस को दरकिनार कर कैसे चुनाव संपन्न करा सकते हैं।

कांग्रेस-सीपीएम को न दें एक भी वोट, यह सब भाजपा का खेल

कोलकाता, (आरएनएन)। पश्चिम बंगाल के लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान समाप्त हो गया है। अब अगले चरण के तहत होने वाले मतदानों के लिए पश्चिम बंगाल में विपक्षी दलों की तरह सत्तारूढ़ टीएमसी प्रचार में पूरी ताकत झोंक रही है। शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा उत्तर और मालदा दक्षिण सीटों पर अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार किया। उन्होंने इस दिन मालदा उत्तर के गाजोल और मालदा दक्षिण के मानिकचक में जनसभाओं को संबोधित किया और केवल भाजपा ही नहीं, बल्कि कांग्रेस और माकपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा, यहां से भाजपा और कांग्रेस के जो भी उम्मीदवार जीते हैं, उन्होंने क्या बंगाल और यहां के लोगों के हितों को लेकर कोई बात की? उन्होंने मालदा के लोगों के भले के लिए कोई काम किया? सच्चाई यह है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा, कांग्रेस व माकपा भाई-भाई हैं।

असम में सीआरपीएफ जीडी बटालियन आरएएफ में तब्दील, 275 करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' की असम में तैनात एक बटालियन जनरल ड्यूटी को स्थायी तौर से रेपिड एक्शन फोर्स 'आरएएफ' में तब्दील किया जा रहा है। 'कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी' ने गृह मंत्रालय के इस निर्णय पर अपनी सहमति की मुहर लगा दी है। सामान्य बटालियन को 'आरएएफ' में तब्दील करने पर 275 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस अदला-बदली में जो भी मौजूदा पद खत्म होंगे या नए पद सृजित होंगे, वह जानकारी वित्त मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद साझा की जाएगी।

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने दी है मंजूरी: असम से लगती दूसरे राज्यों की सीमाओं पर कई बार दंगे हो चुके हैं। असम, मिजोरम और असम, मेघायल सीमा पर हुए दंगों में अनेक लोगों की जान गई है। राज्य में किसी भी तरह के दंगे को रोकने के लिए अब वहां पर स्थायी तौर से आरएएफ की बटालियन तैयार की जाएगी। इसके लिए वहां पर पहले से तैनात सीआरपीएफ की 'जनरल ड्यूटी बटालियन' को आरएएफ में तब्दील किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के माध्यम से यह प्रस्ताव कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी 'सीसीएस' के पास भेजा गया था। वहां से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है।

तैयार करना होगा हथियार, गोला बारूद व स्टोर: आरएएफ की स्थायी बटालियन तैयार करने में 275 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

चॉकलेट खाने से डेढ़ साल की बच्ची को हुई खून की उल्टियां

पटियाला से खरीदी थी चॉकलेट, जांच में एक्सपायरी डेट की निकली

पटियाला। पंजाब के लुधियाना में चॉकलेट खाने से डेढ़ साल की बच्ची को खून की उल्टियां हुईं। परिवार उसे तुरंत सिविल अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टर ने उपचार के बाद उसे घर भेज दिया। वहीं इसका पता चलते ही स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई। अधिकारी तुरंत उस दुकान पर पहुंचे, जहां से चॉकलेट खरीदी गई। जांच में पता चला कि बच्ची को दी गई चॉकलेट एक्सपायरी डेट की थी। बच्ची राविया की दादी अंजू देवी ने कहा कि राविया और उसकी बुआ ने चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और कुरकुरे खाए थे। पहले बुआ की तबीयत खराब हुई, लेकिन उसने दवाई खाई और ठीक हो गई। इस बीच राविया की अचानक से तबीयत बिगड़ गई। उसका पेट खराब हो गया। नाक से खून बहने लगा। इसके बाद उसे अस्पताल लेकर पहुंचे।

रिश्तेदार के घर आई थी पटियाला: बच्ची के रिश्तेदार विक्की ने बताया कि राविया लुधियाना से कुछ दिन पहले पटियाला में उनके घर आई थी। जब बच्ची वापस लुधियाना जाने लगी तो उन्होंने बच्ची के लिए एक दुकान से गिफ्ट पैक लिया था।

दुकान में गए तो एक्सपायरी डेट का सामान मिला

विक्की ने आगे कहा कि इसका पता चलते ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से शिकायत की। स्वास्थ्य अधिकारियों की टीम के साथ वे तुरंत उस कन्फेक्शनरी शॉप पर गए, जहां से बच्ची के लिए गिफ्ट की टोकरी खरीदी थी। वहां जाकर पता चला कि उन्हें जो चॉकलेट दी गई थी, वह एक्सपायरी डेट की थी। दुकान में और भी सामान पड़ा था।

पुलिस और सेहत विभाग ने जांच शुरू की

सेहत विभाग की टीम ने दुकान में पड़ा एक्सपायरी डेट का सारा सामान जब्त कर लिया। इसके बाद पुलिस को भी वहां बुला लिया गया। पुलिस ने परिवार के लोगों के बयान दर्ज किए। जिसके बाद अब मामले की जांच की जा रही है। वहीं सेहत विभाग ने एक्सपायरी डेट का सामान बेचने की भी जांच शुरू कर दी है।

इससे पहले केक खाने से हुई थी मानवी की मौत

पटियाला में कुछ दिन पहले 10 साल की लड़की मानवी ने अपने बर्थडे पर जोमैटो से ऑनलाइन केक ऑर्डर किया था। उसे खाने से माधवी की तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। इसकी जांच में पता चला कि जिस बेकरी से केक ऑनलाइन मंगवाया गया, वह असल में है ही नहीं। किसी दूसरी बेकरी ने फर्जी फर्म बना रखी है। केक के बासी होने का भी खुलासा हुआ था।

फैयाज की मां बोली- एक-दूसरे से करते थे प्यार, चाहती थीं IAS बनाना

नेहा मर्डर केस

बेंगलुरु। कर्नाटक के हुबली जिले के विद्यानगर में हुए नेहा हिरेमत मर्डर केस की वजह से पूरे सूबे में बवाल हो रहा है। लोग इसे लव जिहाद का मुद्दा बताकर गुनहगार को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। नेहा के परिजनों ने कहा है कि उनकी बेटी के साथ जो हुआ वैसा किसी और के साथ नहीं होना चाहिए।

जरूरत पड़े तो सरकार इसके लिए कानून बनाए और आरोपी फैयाज से पूछताछ कर इसकी वजहों को समझने की कोशिश करे। उधर आरोपी की मां ने लव जिहाद से साफ इनकार किया है। उनका कहना है कि नेहा और फैयाज एक-दूसरे से प्यार करते थे।फैयाज की मां मुमताज ने कहा, कि मैं अपने बेटे की ओर से कर्नाटक के सभी लोगों से माफी मांगती हूं। मैं लड़की के माता-पिता से भी माफी मांगती हूं। वो मेरी बेटी की तरह था। मैं भी उसके परिवार की तरह उतना ही दुखी हूं। मेरे बेटे ने जो किया वो गलत है। इसके लिए उसे दंड मिलना चाहिए। उसने हमारा सिर शर्म से झुका दिया है।

हत्या पर राजनीति उग्र: कर्नाटक में एमसीए की छात्रा नेहा की हत्या के बाद अब राजनीति तेज होती जा रही है। शनिवार को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री के आवास पर जमकर प्रदर्शन किया। वहीं भाजपा नेता और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने नेहा की हत्या के बहाने विपक्ष पर जमकर निशाना साधने के साथ ही विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया।

नीतीश ने कसा तंज- इतने बच्चे कोई पैदा करता है क्या

कटिहार / पूर्णिया। बिहार के मुख्यमंत्री ने शनिवार को बिना नाम लिए लालू परिवार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा, इतना बच्चा कोई पैदा करता है क्या? पहले खुद हटे तो बीवी को सीएम बना दिया, अब आजकल बच्चों को लगा रहे। पैदा तो बहुत किया, इतने बच्चे कोई पैदा करता है क्या? अपनी दो बेटी और दो बेटों को राजनीति में लगा दिया है। ये परिवार किसी की नहीं है बल्कि अपने परिवार की पार्टी है। कटिहार जिले के डंडखोरा के डुमरिया हाई स्कूल मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार बोले कि ये पार्टी किसी की नहीं है, बल्कि अपने परिवार की पार्टी है।

लोग जानते हैं एनसीपी किसने बनाई : पवार

मुंबई। एनसीपी शरदचंद्र पवार के चीफ शरद पवार का कहना है कि उनकी पार्टी ही असली एनसीसी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि कोई भी कह सकता है असली एनसीपी हम हैं। लेकिन लोगों को पता है कि एनसीपी किसने बनाई, किसने इन्हें मंत्री बनाया। लोग इन पर हंस रहे हैं। हम बीजेपी के खिलाफ लड़े और जीते, अब वे (अजित पवार) बीजेपी के साथ खड़े हैं। शरद पवार ने आगे कहा कि कुछ अवसरवादी लोग अब वो बीजेपी के साथ खड़े हैं।

ये लोग मुझे कहते थे कि अगर हम नहीं जाएंगे तो हम पर ईडी एक्शन लेगा। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कहा कि मोदी का जो करिश्मा पहले था, अब वैसा नहीं रहा।

महाराष्ट्र में कम से कम 50 प्रतिशत सीटें हम जीतेंगे। शरद पवार का कहना है कि भाजपा ने ईडी का इस्तेमाल करके कुछ ऐसे कदम उठाए जिसकी वजह से हमारे साथी उनके कहने पर चले गए। भाजपा को मालूम था कि महाराष्ट्र में वो नहीं जीत सकते इसलिए ईडी, सीबीआई का इस्तेमाल कर ये कदम उठाए गए। महाराष्ट्र में जो हुआ है, लोगों को ये बिलकुल पसंद नहीं आ रहा है। लोगों को डराकर साथ में लाना पसंद नहीं किया जा रहा है।

सुप्रिया बोलीं- भाजपा शरद पवार को खत्म करना चाहती है : पवार की बेटी सांसद सुप्रिया सुले का कहना है कि भाजपा शरद पवार को राजनीतिक रूप से खत्म करना चाहती है। बारामती लोकसभा सीट से उनके खिलाफ भाभी सुनेत्रा पवार को उतारना भाजपा की चाल है। सुप्रिया ने कहा- सुनेत्रा मेरे बड़े भाई (अजित पवार) की पत्नी हैं और बड़ी भाभी को मां समान माना जाता है। पवार परिवार के अंदर की लड़ाई से भाभी सुनेत्रा के प्रति मेरा सम्मान कम नहीं होगा। वह हमेशा मेरे लिए मां जैसी ही रहेंगी।

Filmi तड़का

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की 17वीं सालगिरह पर फिर उड़ीं तलाक की अफवाहें

मुंबई। बॉलीवुड के आदर्श कपल में एक अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की 20 अप्रैल को उनको 17 वीं मैरिज एनिवर्सी थी। दोनों की लव स्टोरी फिल्म के सेट के दौरान शुरू हुई, लेकिन पिछले कुछ महीनों से बताया जा रहा है कि अभिषेक-ऐश्वर्या के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। आठ ऐसे सबूत हैं जो इस बात से पर्दा हटा सकते हैं। बॉलीवुड की नंबर वन फेमिली के पास यूं तो वक्त की कमी रहती है।

ऐश्वर्या और अभिषेक के रिलेशन में प्रोबलम्स हैं या नहीं ये पुख्तातौर पर नहीं कहा जा सकता है। लेकिन बी-टाउन में ऐसी खबरें हैं कि उनके रिश्ते को लेकर कोई ना कोई प्रोबलम जरूर है।

1. फिल्म सैम बहादुर की स्क्रीनिंग में अभिषेक अपने भांजे अगस्त्य नंदा के साथ पहुंचे। पैप्स ने ऐश्वर्या के बारे में पूछा लेकिन अभिषेक उस सवाल से बचते नजर आए।
2. सितंबर 2023 के बाद से ऐश्वर्या और अभिषेक किसी भी पब्लिक इवेंट पर बहुत ही कम नजर आए। ऐश्वर्या राय तो अपने ससुराल वालों के साथ बिल्कुल नजर नहीं आई।
3. मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी हो या नीता अंबानी के घर का गणेश उत्सव हो। एश्वर्या बेटी के साथ अकेले ही पहुंच रही हैं। हालांकि, हाल ही में हुई होली पार्टी में अभिषेक-ऐश्वर्या तस्वीरों में साथ दिखे।
4. पिछले साल 16 नवंबर को आराध्या का 12वां बर्थडे मनाया गया जिसमें ना अभिषेक बच्चन नजर आए और ना बच्चन फैमिली का कोई भी शख्स नजर आया। ऐश्वर्या ने आराध्या की बर्थडे पार्टी कुछ दोस्तों और अपनी मां की मौजूदगी में मनाया था।
5. आराध्या के बर्थडे से पहले 2 नवंबर 2023 ऐश्वर्या राय ने अपना 50वां बर्थडे मनाया था। उस समय भी अभिषेक उनकी पार्टी में नजर नहीं आए।
6. दिवाली पर ऐश्वर्या ससुराल वालों के साथ नहीं थीं।
7. दिसंबर में हुए पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या राय अपनी बेटी के साथ पहुंची थीं। वहां नव्या नवेली ने भी रैंप वॉक किया था और उन्हें चियरअप करने उनकी मां श्वेता बच्चन और नानी जया बच्चन भी पहुंची थीं।
8. अगर हाल ही बात करें तो 18 मार्च को ऐश्वर्या ने अपने पिता को याद करते हुए तस्वीरें शेयर की. जिसमें वो अपनी मां और आराध्या के साथ नजर आईं लेकिन हमेशा उन तस्वीरों में अभिषेक भी होते थे और इस बार वो नहीं दिखे। इसके अलावा होली के समय भी ऐश्वर्या राय अपने ससुराल वालों से दूर ही रहीं।

फिल्म सिंघम अगेन का नया पोस्टर हुआ रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। बॉलीवुड फिल्मकार रोहित शेट्टी सिंघम सीरीज की अगली फिल्म सिंघम अगेन लेकर आ रहे हैं, जिसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में अक्षय कुमार और रणवीर सिंह भी कैमियो रोल में होंगें। इनके अलावा दीपिका पादुकोण भी फिल्म का हिस्सा हैं। सिंघम अगेन का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। इस फिल्म मे दीपिका पादुकोण की लेडी सिंघम के तौर पर एंट्री हो रही है, और वह फिल्म में शक्ति शेट्टी का किरदार निभाएंगी। रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन का नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में दीपिका पादुकोण सिंघम अजय देवगन की तरह पंजे वाला पोज करती नजर आ रही हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए रोहित शेट्टी ने लिखा है, 'मेरी हीरो...रील में भी और रियल में भी। लेडी सिंघम दीपिका पादुकोण को इस पोस्टर में पुलिस की वर्दी में देखा जा सकता है। उनकी आंखों पर चश्मा है और सिंघम वाला पोज है।

महिला फुटबॉल खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने रांची पहुंचे सचिन

रांची। भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर युवा महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी पत्नी अंजलि तेंदुलकर के साथ शनिवार को रांची पहुंचे। हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद, भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि वह सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के लिए रांची आए हैं, जो यूथ फाउंडेशन के साथ काम करता है। साथ ही वह यहां युवा महिला फुटबॉलरों को प्रोत्साहित करने आए हैं। वे ओरमांझी में आयोजित सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जहां वे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चियों के साथ खेलते नजर आए।

कार्यक्रम के बाद सचिन ने इसे यादगार दिन करार दिया है। इस दौरान उन्होंने बच्चियों के साथ खूब मस्ती की। उनके साथ उनकी पत्नी अंजली भी थी। वे भी सचिन तेंदुलकर के साथ मस्ती करते दिखी। इस दौरान कभी वे बच्चियों को गोद में उठाकर उनके साथ खेलते दिखी तो कभी उनके साथ तस्वीरें लेते। बच्चियां भी उनके साथ मस्ती के रंग में दिखे। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोग सचिन तेंदुलकर के साथ तस्वीरें लेने को बेताब दिखे। सचिन और उनकी पत्नी ने भी किसी को निराश नहीं किया और सभी के साथ एक ग्रुप फोटो ली।

संपत्ति लेते वक्त किन कसौटियों की करें परख

अक्सर देखा जाता है कि कोई व्यक्ति जब संपत्ति खरीदता है तो वह उसकी पर्याप्त जांच-पड़ताल नहीं करता जिसकी वजह से उसे नुकसान उठाना पड़ता है। अगर आप कोई संपत्ति खरीदने का मन बना रहे हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना होगा क्योंकि संपत्ति की खरीदारी में इन बातों की अनदेखी खासी भारी पड़ सकती है

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

संपत्तियों के बाजार में प्रमुख रूप से से दो तरह की संपत्तियां उपलब्ध रहती हैं। पहली अंडर कंस्ट्रक्शन यानी निर्माणाधीन और दूसरी रेडी टु मूव यानी ऐसी संपत्ति जिसे खरीदने के साथ ही वह इस्तेमाल के लिए तैयार हो। रेडी टु मूव संपत्ति का सबसे बड़ा फायदा यह है कि या तो उसे खरीदने वाला फौरन खुद उसका इस्तेमाल कर सकता है या फिर उसे किराये पर चढ़ाकर मासिक आय प्राप्त कर सकता है। साथ ही ऐसी संपत्ति खरीदने वाले को उसके कब्जे के लिए भी परेशान नही होना पड़ता। निश्चय ही रेडी टु मूव संपत्ति के अपने खास फायदे हैं लेकिन फिर भी ऐसी संपत्ति खरीदते वक्त कुछ चीजों का ध्यान रखना आवश्यक है।

टाइटल हो एकदम क्लियर

संपत्ति बाजार में टाइटल का अर्थ संपत्ति के मालिकाना हक के तौर पर समझा जाता है। आप जानते है कि कोई संपत्ति खुद नही कहती कि उसका स्वामी या मालिक कौन है, इसकी जानकारी सिर्फ उसके कागजों से मिलती है। अगर आप भी ऐसी संपत्ति खरीदने जा रहे है तो सबसे पहले रेवेन्यू आफिस जाकर उस संपत्ति के मालिक का पता करें क्योंकि किसी भी निवेश से पहले यह परख लेना अत्यंत आवश्यक है कि आप जिससे वह संपत्ति ले रहे है वही उसका वास्तविक स्वामी है। अक्सर ऐसा भी होता है कि किसी संपत्ति का मालिक कोई अन्य होता है जबकि उसकी बिक्री कोई दूसरा व्यक्ति कर देता है। ऐसा निवेश आपके लिए जी का जंजाल बन सकता है। और आपकी मेहनत की कमाई भी डूबते देर नही लगेगी। बहरहाल रेवन्यू आफिस के अलावा टाइटल की पहचान प्रापर्टी टैक्स से जुड़े कागजात से भी संभव है साथ ही यदि उस संपत्ति के मालिक ने उस संपत्ति को किसी बैंक के पास गिरवी रखा हो तो बैंक से भी उसके मालिक का पता लगाया जा सकता है। टाइटल सर्च के लिए आप अपने उन शुभचिंतकों की सलाह भी ले सकते है जिन्हें संपत्तियों की खरीद-फरोख्त की जानकारी हो अथवा मामूली फीस पर पेशेवर वकील भी इस काम में आपका मददगार साबित हो सकता है।

कंस्ट्रक्शन का समय

टाइटल के बाद आपको यह जानना चाहिये कि जो संपत्ति आप खरीद रहे है उसका निर्माण कब हुआ था साथ ही उसके निर्माण की गुणवत्ता कैसी है। सामान्य तौर पर मौजूदा समय में किसी कंस्ट्रक्शन की उम्र 70 से 80 साल की मानी जाती है। यह ध्यान रखें कि संपत्ति जितनी पुरानी होगी उसकी कीमत नवनिर्मित संपत्तियों की तुलना में कम ही रहेगी। संपत्ति की उम्र का सही अंदाजा उस जगह रह रहे लोगों या फिर उस क्षेत्र विशेष में काम करने वाले प्रापर्टी डीलरों से बातचीत करके लगाया जा सकता है। आप चाहें तो इस काम के लिए स्ट्रक्चरल इंजीनियर की सहायता भी ले सकते है। मौजूदा समय में ऐसी कई पेशेवर कंपनियां भी किसी इमारत की गुणवत्ता और उसके भविष्य के बारे में आपको सही अनुमान दे सकती है।

आम सुविधाएं

आप जहां संपत्ति ले रहे है वहां रोजमर्रा की खरीदारी के लिए क्या सुविधाएं है इसकी परख जरूरी है। आम तौर पर अथारिटीज और बिल्डर्स अपनी परियोजनाओं में कन्वीनियंट शापिंग का प्रावधान जरूर रखते है जहां से आप दिन-प्रतिदिन काम आने वाली चीजें खरीद सकते है। इस सुविधा के अभाव में ऐसी जरूरतें पूरी करने के लिए कई किलोमीटर की दूरी भी तय करनी पड़ सकती है। वैसे आनलाइन शॉपिंग और तमाम ऐप्स की मौजूदगी वाले इस दौर में लोग कन्वीनियंट शापिंग को अक्सर नजरअंदाज कर जाते है। साथ ही बाद में उन्हें पता चलता है कि जिन आनालाइन शापिंग कंपनियों के भरोसे उन्होंने वहां संपत्ति खरीदी है वहां तक वह सामान नहीं भिजवाती और यदि भिजवाती है तो उसके लिए अतिरिक्त शुल्क लेती है। इसी तरह उस क्षेत्र में किस तरह के शैक्षणिक संस्थान है इस पर भी जरूर गौर करें क्योंकि संभव है कि जब आप संपत्ति में निवेश करें तो उस वक्त आपको स्कूल-कॉलेज की जरूरत न हो लेकिन संपत्ति खरीदते हुए आपको भविष्य की जरूरतों का नजर में रखना जरूरी है।

रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन

आप जहां संपत्ति ले रहे है क्या वहां रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन काम कर रही है अथवा नहीं इसका भी पता लगा लेना बेहतर होगा। क्योंकि इसके अभाव में सुरक्षा के अलावा घर में पड़ने वाले छोटे-मोटे कामों के लिए आपको अन्य लोगों के सहारे रहना पड़ेगा। सामान्य तौर पर बिजली,प्लंबिंग जैसे कुछ काम आरडब्ल्यूए ही करवा देती है। इसके अलावा सुरक्षा का बंदोबस्त भी उन्ही के कंधों पर होता है। वैसे भी सुरक्षा वह तथ्य है जिस की परख किसी भी संपत्ति के निवेश में सर्वप्रथम है। ऐसे में इसकी परख बेहद आवश्यक है। बहरहाल आप इन बातों को जेहन में रखते हुए कोई संपत्ति खरीदते है तो निश्चय ही आपका निवेश सर्वथा उचित रहेगा। ■

पर्सनल लोन बेहतर रहेगा या बैंक ओडी

अगर आप अचानक सामने आई पैसों की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्सनल लोन लेने की सोच रहे हैं तो जरा ठहरिये, क्योंकि पर्सनल लोन की जगह अगर आप बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा के जरिये अपनी पैसों की जरूरत पूरी करेंगे तो इसके आपको कुछ फायदे भी मिल सकते हैं। आइये देखते हैं कि पर्सनल लोन और बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा में क्या अंतर है और पर्सनल लोन बेहतर है या बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा

अगर किसी को अचानक पैसों की कुछ जरूरत पड़ जाए तो जाहिर है कि सबसे पहले आप अपने घर, परिवार और मित्रों से उधार पैसे मांगने की कोशिश करेंगे। लेकिन अगर इन सारे लोगों से आपको पैसे ना मिलें तो आप क्या करेंगे ? जाहिर है कि पैसों का इंतजाम तो करना ही है और इसके लिए आप कोशिश करेंगे कि बैंक से पर्सनल लोन लेकर काम चला लिया जाए। लेकिन पर्सनल लोन के अलावा एक रास्ता और है जिसके जरिये आप पैसों की जरूरत को पूरा कर सकते हैं। और वह रास्ता है बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा का। जी... हां... बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा के जरिये आप अपनी पैसों की जरूरत पूरी करेंगे तो आपको पर्सनल लोन की तुलना में ब्याज की दर कुछ कम ही मिलेगी। आइए आज हम जानने की कोशिश करते हैं कि पर्सनल लोन की तुलना में बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा कैसी है और इसका क्या फायदा है।

पर्सनल लोन और बैंक ओडी की विशेषताएं

अगर किसी व्यक्ति को पैसों की जरूरत पड़ती है तो सबसे पहले उसका ध्यान पसर्नल लोन की तरफ ही जाता है। पर्सनल लोन सुविधा के तहत 50 हजार से पांच लाख रुपये तक का कर्ज बैंकों से तुरंत मिल जाता है और इसके लिये ज्यादा औपचारिकताएं भी नहीं पूरी करनी पड़तीं। लेकिन फिर भी बैंक इसके लिये स्टांप पेपर पर एक एग्रीमेंट बनवाते हैं और अगर जरूरी समझते हैं तो एक व्यक्ति की गारंटी भी मांगते हैं। वहीं दूसरी तरफ अगर हम बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा यानी बैंक ओडी की बात करें तो पर्सनल लोन की तुलना में इस सुविधा का लाभ उठाना ज्यादा आसान है। पर्सनल लोन तो सभी लोगों को मिल जाता है लेकिन बैंक ओडी सुविधा हर ऐसे व्यक्ति को मिल जाती है जिसका किसी बैंक में अकाउंट है और उसमें नियमित रूप से कुछ रकम जमा की जाती रही हो। आमतौर पर वेतनभोगी लोगों के लिए बैंक ओडी सुविधा लेना काफी आसान है। इसकी वजह यह है कि वेतनभोगी व्यक्ति की तनख्वाह हर माह जिस बैंक खाते में आती है उस खाते पर यह सुविधा ली जा सकती है। इसके लिए ज्यादा औपचारिकताएं पूरी नहीं करनी पड़तीं बल्कि ओडी सुविधा शुरू करने के लिए एक आवेदन पत्र बैंक को देना होता है अथवा बैंक ने अगर इसके लिए कोई फार्म बना रखा है तो उस फार्म को भरकर अपने खाते पर ओडी सुविधा शुरू कराई जा सकती है। पर्सनल लोन लेने वाले व्यक्ति को ब्याज के अलावा प्रोसेसिंग फीस के रूप में भी कुछ रकम देनी पड़ती है जबकि ओडी सुविधा लेने वाले व्यक्ति को सिर्फ ब्याज की अदायगी करनी होती है। पर्सनल लोन के तहत व्यक्ति जितनी धनराशि लेता है उस पूरी राशि को ब्याज की गणना में शामिल किया जाता है जबकि ओडी सुविधा के तहत सिर्फ उतनी ही राशि पर ब्याज लगता है जितनी राशि की निकासी व्यक्ति ने की है। भले ही उसकी ओडी सुविधा के तहत मिलने वाली धनराशि ज्यादा क्यों ना हो।

कितनी मिलती है ओडी

ओडी सुविधा देने के लिए बैंक बचत खाते अथवा चालू खाते में होने वाले ट्रांजेक्शन को आधार बनाते हैं। अगर वेतनभोगी व्यक्ति है तो लाजिमी है कि उसके खाते में हर माह एक निश्चित धनराशि आएगी। ऐसे व्यक्ति को उसके वेतन के बराबर, उसका दोगुना अथवा तीन गुना तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा मिल जाती है। अर्थात वेतनभोगी व्यक्ति अपने खाते में वेतन ना आने की स्थिति में भी ओवरड्राफ्ट सुविधा के तहत तय राशि की निकासी कर सकता है। इसलिये जरूरत पड़ने पर वेतनभोगी व्यक्ति को पर्सनल लोन लेने की जरूरत नहीं होगी। इसी तरह अगर किसी कारोबारी का करेंट अकाउंट यानी चालू खाता है तो उसके इनकम टैक्स रिटर्न और औसत मासिक बैलेंस के आधार पर उसके खाते पर ओवरड्राफ्ट अर्थात अतिरिक्त धन निकासी की

सुविधा मिल जाती है। ओवरड्राफ्ट सुविधा एक तरह से बैंकों द्वारा अपने खाताधारकों को दी जाने वाली अतिरिक्त धन निकासी की सुविधा है जिसके एवज में बैंक कुछ ब्याज वसूलते हैं।

कितना होता है ब्याज

अगर हम पर्सनल लोन और ओडी सुविधा पर लगने वाले ब्याज की बात करें तो निश्चित रूप से ओडी पर लगने वाला ब्याज पर्सनल लोन पर लगने वाले ब्याज की तुलना में कुछ कम होता है। भले ही ब्याज दरों में ज्यादा अंतर ना हो लेकिन फिर भी पर्सनल लोन की तुलना में ओडी पर ब्याज की दर कुछ कम हो सकती है। हालांकि इसके लिए हर बैंक के अपने अलग नियम हैं और वे प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए ओडी सुविधा पर ब्याज की दरें पर्सनल लोन की ब्याज दरों की तुलना में कम ही रखते हैं।

■ (बिजनेस डेस्क)

ज्यादा सेहतमंद हुआ हेल्थ इंश्योरेंस

बीमा नियामक इरडा ने स्वास्थ्य बीमा पालिसी से जुड़े नियमों में कई बदलाव किए हैं। बीमा नियामक पालिसीधारकों और बीमा कंपनियों के हितों की बेहतरी के लिए समय-समय पर इस तरह के बदलाव करता रहता है। इन बदलावों से जहां पालिसीधारकों को फायदा होता है वहीं कंपनियां भी इन बदलावों के जरिए अपना कारोबार बढ़ाने में कामयाब होती हैं। आइए देखते हैं कि बीमा नियामक ने स्वास्थ्य बीमा से जुड़ी पालिसी में क्या बदलाव किए हैं

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

स्वास्थ्य बीमा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बीमा नियामक इरडा लगातार नियमों में बदलाव करता रहा है। इसी कड़ी में बीमा नियामक ने कुछ और अहम बदलाव किए हैं। इन बदलावों के तहत नियामक ने बीमा दावों के लिए मोरेटेरियम की अवधि को कम कर दिया है। इसके अलावा प्री एक्जिसटिंग डिजीज यानी पहले से मौजूद बीमारियों के लिए प्रतीक्षा अवधि यानी वेटिंग पीरियड में भी कमी की गई है। सबसे बड़ा बदलाव तो यह किया गया कि स्वास्थ्य बीमा पालिसी खरीदने वाले व्यक्ति के लिए अधिकतम उम्र की सीमा को भी खत्म कर दिया गया है। साथ ही बीमा नियामक ने एक बदलाव यह भी किया है कि कोई भी बीमा कंपनी पांच साल तक प्रीमियम प्राप्त करने के बाद क्लेम को रिजेक्ट नहीं कर सकेगी। आइए अब इन नियमों के बारे में विस्तार से समझते हैं।

क्लेम के लिए मोरेटोरियम पीरियड घटा

स्वास्थ्य बीमा पालिसी के लिए किए जाने वाले बीमा दावों के लिए तय अवधि (मोरेटोरियम पीरियड) को बीमा नियामक ने अब घटा दिया है। पहले मोरेटोरियम पीरियड की यानी मोरेटोरियम की अवधि को आठ साल तय किया गया था लेकिन नए बदलावों में इसे घटाकर अब पांच साल कर दिया गया है। यानी अगर कोई कंपनी लगातार 60 माह तक अपनी स्वास्थ्य बीमा पालिसी का प्रीमियम भरता रहा है तो बीमा कंपनी सिर्फ नॉन डिस्क्लोजर अथवा मिस रिप्रेंजेंटेशन के आधार पर उसका क्लेम रद्द नहीं कर सकती। अलबत्ता अगर कहीं से यह साबित हो जाता है कि बीमाधारक ने बीमा कंपनी के साथ धोखाधड़ी की है तो इस आधार पर क्लेम को रिजेक्ट किया जा सकता है।

पांच साल बाद रिजेक्ट नहीं होगा क्लेम

कई बार कंपनियां इस आधार पर भी क्लेम रिजेक्ट कर देती थीं कि स्वास्थ्य बीमाधारक ने डायबिटीज, हाइपरटेंशन और अस्थमा जैसी बीमारियों पहले से नहीं दी थी। लेकिन मोरेटोरियम पीरियड पांच साल हो जाने के बाद अब बीमा कंपनियां सिर्फ इस आधार पर क्लेम रिजेक्ट नहीं कर सकतीं कि बीमा खरीदने वाले व्यक्ति अपनी शरीर में पहले से मौजूद बीमारियों को जानबूझकर छिपाया। इस तरह की बीमारियों में पहले कंपनियां नॉन डिस्क्लोजर का हवाला देते हुए क्लेम खारिज कर देती थीं साथ ही पालिसी भी रद्द कर देती थीं।

पीईडी के लिए वेटिंग पीरियड भी घटा

स्वास्थ्य बीमा पालिसी लेने वालों के लिए एक अच्छा बदलाव यह भी है कि बीमा नियामक ने पहले से मौजूद बीमारियों यानी प्री एक्जिसटिंग डिजीज (पीईडी) के लिए वेटिंग पीरियड यानी प्रतीक्षा अवधि में कमी कर दी है। पहले वेटिंग पीरियड चार साल का था जिसे कम करके अब तीन साल कर दिया गया है। इसका फायदा यह होगा कि पहले अगर चार साल के भीतर बीमा कंपनियों को यह पता चलता था कि हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी खरीदने वाले व्यक्ति ने अपनी शरीर में पहले से मौजूद बीमारियों को छिपाया है तो वह उसका क्लेम रिजेक्ट कर देती थीं। अब इस अवधि को तीन साल किए जाने के बाद बीमा कंपनियों के पास सिर्फ तीन साल तक ही क्लेम रिजेक्ट करने का अधिकार होगा। अगर यह अवधि तीन साल से ज्यादा हो जाती है और बीमाधारक बीमा दावा पेश करता है तो बीमा कंपनी को उसका क्लेम देना होगा। हालांकि कई कंपनियां तीन साल से भी कम प्रतीक्षा अवधि वाले उत्पाद पेश करती हैं लेकिन यह प्रतीक्षा अवधि उस उत्पाद विशेष के लिए होती है जो बीमा कंपनी द्वारा पेश किया गया है।

अधिकतम आयु सीमा से भी मुक्ति

अभी तक बीमा कंपनियों द्वारा 65 साल तक की आयु वालों के लिए बीमा स्वास्थ्य बीमा उत्पाद उपलब्ध कराए जाते थे लेकिन अब बीमा नियामक ने उम्र की सीमा को हटा दिया है। इसका फायदा यह होगा कि अब हर आयु वर्ग का व्यक्ति अपने लिये स्वास्थ्य बीमा उत्पाद खरीद सकेगा। इन बदलावों के बाद जाहिर है कि बीमा कंपनियां अपने ग्राहकों के लिए कस्टामाइज्ड प्रोडक्ट लांच करने पर ज्यादा ध्यान देंगी। हालांकि यह पालिसियां ज्यादातर सीनियर सिटीजंस के लिए ही होंगी जिसका फायदा अंततः ग्राहकों को ही मिलेगा। ■

दिल्ली को 67 रन से हराकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर सनराइजर्स, ट्रेविस हैड व अभिषेक ने फिर खेली विस्फोटक पारी

रिकॉर्डों से भरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की पांचवीं जीत

● नई दिल्ली

जेक फ्रेजर और ऋषभ पंत की जुझारू पारियों के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को अरुण जेटली स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद से 67 रनों से हार झेलनी पड़ी। हैदराबाद ने पहले खेलते हुए अभिषेक शर्मा के 46, ट्रेविस हेड के 89, शाहबाज अहमद के 59 रन की बदौलत 7 विकेट पर 266 पर बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी दिल्ली को जेक फ्रेजर का सहारा मिला था जिन्होंने 18 गेंदों पर 65 रन बनाए। मध्यक्रम में कप्तान ऋषभ पंत ने जरूर 44 रन बनाए लेकिन दूसरे छोर से लगातार गिरते विकेट के कारण वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। दिल्ली 199 पर ऑल आऊट हो गई। इससे हैदराबाद को 67 रन से जीत हासिल हुई। हैदराबाद की यह सीजन में 5वीं जीत रही। इसी के साथ वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर आ गई है। हैदराबाद ने लगातार चौथी जीत दर्ज की है। सनराइजर्स ने लगातार तीसरे मैच में 250 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया और मैच जीता है।

ट्रैविस हेड (32 गेंदो पर 89 रन) और अभिषेक शर्मा (12 गेंदो पर 46 रन) के बीच 131 रन की तूफानी शतकीय साझीदारी की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहले खेलते हुये सात विकेट पर 266 रन बनाये। अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीत कर पहले खेलते हुये हैदराबाद ने पारी की शुरुआत तूफानी अंदाज में की। हेड और शर्मा ने मैदान के चारों ओर रनों की बौछार कर दी। इस साझीदारी को तोड़ने के लिये कप्तान ऋषभ पंत ने अपने विश्वसनीय गेंदबाज कुलदीप को गेंद थमायी और उन्होने अभिषेक का विकेट लेकर दिल्ली की धड़कनों को काबू कर लिया। अभिषेक ने मात्र 12 गेदों पर दो चौके और छह जानदार छक्के जड़े। कुलदीप ने अपने इसी ओवर की आखिरी गेंद पर नये बल्लेबाज एडन मारक्रम (1) को आउट कर हैदराबाद को दूसरा झटका दिया। लगातार दो विकेट गिरने से हैदराबाद के तेवर नरम पड़ गये और इस बीच शतक की ओर बढ रहे ट्रेविस हेड भी कुलदीप के अगले ओवर में उनका तीसरा शिकार बने जब आफ स्टांप से बाहर जा रही गेंद को पुल करने के प्रयास में लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर ट्रिस्टन स्टब्स ने आगे की ओर डाइव लगाकर उनका शानदार कैच लपक लिया। उन्होने 42 मिनट क्रीज पर रहकर 11 चौके और छह छक्के लगाये।

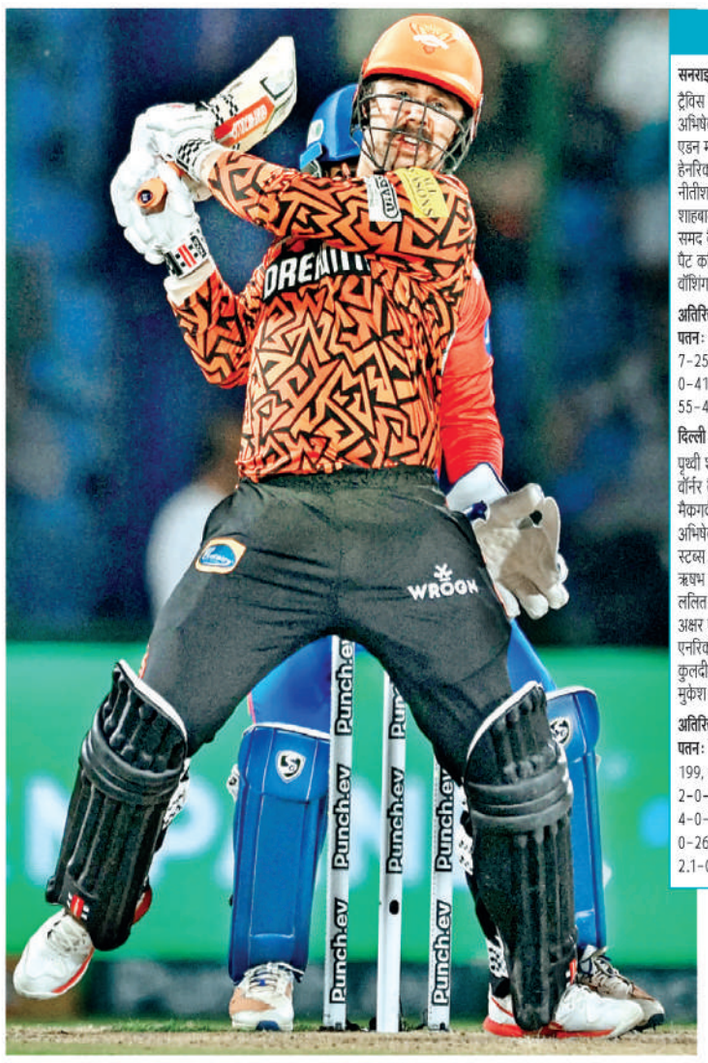

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
ट्रैविस हेड कै. स्टब्स बो. कुलदीप यादव	89	32	11/6
अभिषेक शर्मा कै. अक्षर बो. कुलदीप	46	12	2/6
एडन मार्करम कै. अक्षर बो. कुलदीप	01	03	0/0
हेनरिक क्लासेन बोल्ड अक्षर पटेल	15	08	0/2
नीतीश रेड्डी कै. वॉर्नर बो. कुलदीप	37	27	2/2
शाहबाज अहमद नाबाद	59	29	2/5
समद कै. नॉर्तजे बो. मुकेश कुमार	13	08	1/1
पैट कमिंस रन आउट स्टब्स	01	01	0/0
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 05, कुल: 20 ओवर में सात विकेट पर 266 रन, **विकेट पतन:** 1-131, 2-133, 3-154, 4-154, 5-221, 6-250, 7-256, **गेंदबाजी:** खलील अहमद 3-0-51-0, ललित यादव 2-0-41-0, एनरिक नॉर्तजे 3-0-31-0, कुलदीप यादव 4-0-55-4, मुकेश कुमार 4-0-57-1, अक्षर पटेल 4-0-29-1,

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
पृथ्वी शॉ कै. समद बो. वॉशिंगटन सुंदर	16	05	4/0
वॉर्नर कै. कमिंस बो. भुवनेश्वर कुमार	01	03	0/0
मैकगर्क कै. क्लासेन बो. मयंक मार्कंडेय	65	18	5/7
अभिषेक पोरेल कै. क्लासेन बो. मयंक	42	22	7/1
स्टब्स कै. शाहबाज बो. नीतीश रेड्डी	10	11	0/0
ऋषभ पंत कै. नटराजन बो. नीतीश रेड्डी	44	35	5/1
ललित यादव बोल्ड टी नटराजन	07	08	1/0
अक्षर पटेल कै. कमिंस बो. नटराजन	06	08	0/0
एनरिक नॉर्तजे बोल्ड टी नटराजन	00	02	0/0
कुलदीप यादव पगबाधा बोल्ड नटराजन	00	01	0/0
मुकेश कुमार नाबाद	00	02	0/0

अतिरिक्त: 08, कुल: 19.1 ओवर में 199 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-16, 2-25, 3-109, 4-135, 5-154, 6-166, 7-199, 8-199, 9-199, 10-199, **गेंदबाजी:** वॉशिंगटन सुंदर 2-0-46-1, भुवनेश्वर कुमार 4-0-33-1, पैट कमिंस 4-0-35-0, टी नटराजन 4-1-19-4, मयंक मार्कंडेय 2-0-26-2, शाहबाज अहमद 1-0-22-0, नीतीश कुमार रेड्डी 2.1-0-17-2,

मैकगर्क का बल्ला गरजा, ठोका इस आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक

दिल्ली कैपिटल्स के धाकड़ बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया। यह आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक है। इसी के साथ उन्होंने अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ दिया। दोनों ने 16-16 गेंदों में पचासा ठोका था। ऑस्ट्रेलिया के 22 वर्षीय बल्लेबाज ने इस मुकाबले में 18 गेंदों में 65 रनों की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 361.11 के स्ट्राइक रेट से पांच चौके और सात छक्के लगाए।

दिल्ली के लिए लगाया सबसे तेज पचासा : आईपीएल के 17वें सीजन में मैक्गर्क ने डेब्यू किया है। उन्होंने दिल्ली के लिए आईपीएल इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक मात्र 15 गेंदों में लगाया है। उन्होंने इस मामले में क्रिस मॉरिस और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया।

सुंदर के ओवर में छह बाउंड्री जड़ी

जेक फ्रेजर मैकगर्क ने वॉशिंगटन सुंदर के एक ही ओवर में 30 रन ठोक दिए। इस दौरान उन्होंने तीन छक्के और तीन चौके लगाते हुए छह बाउंड्री जड़ी। दिल्ली की पारी के तीसरे ओवर में उन्होंने पहली दो गेंदों पर लॉन्ग ऑफ की तरफ चौके के लिए भेजा। इसके बाद तीसरी गेंद को लॉन्ग ऑफ पर छक्का मारा। चौथी गेंद को भी जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने चौके के लिए भेजा। ओवर की आखिरी दो गेंदों पर 22 साल के इस बल्लेबाज ने छक्का मारा।

हैदराबाद ने पॉवर प्ले में बनाया नया रिकार्ड, छह ओवर में ठोंके 125 रन

आईपीएल के 35वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुये पहले पॉवर प्ले में 125 रन ठोंक दिये जो आईपीएल और टी20 क्रिकेट के इतिहास में पॉवर प्ले में सबसे तेज गति से बनाया गया स्कोर है। अरुण जेटली स्टेडियम में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा ने पारी की शुरुआत आक्रमक रवैये के साथ की और दोनो बल्लेबाजों ने स्टेडियम के चारों ओर चौकों छक्को की बौछार कर दी और देखते ही देखते छह ओवर में दोनो बल्लेबाजों ने 125 रन जुटा लिये। जो टी20 क्रिकेट इतिहास में पावर प्ले में बना सबसे बड़ा स्कोर है। हेड ने फुलर गेंद पर ऑफ स्टंप के बाहर पीछे हटकर लॉन्ग ऑफ बाउंड्री की तरफ खेल कर पावरप्ले में 125 रन पूरे किये। इससे पहले 2017 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाईट राइडर्स के बीच मैच में पॉवर प्ले में 105 रन बने थे जबकि 2014 में चेन्नई सुपरकिंग्स और पंजाब किंग्स के बीच मुकाबले में छह ओवर के खेल में 100 रन बनाये गये थे। इससे पहले ट्रेविस हेड ने अपना अर्धशतक मात्र 18 गेंदों पर पूरा किया। आईपीएल के इतिहास में यह कारनामा करने वाले वह तीसरे बल्लेबाज बने। इसके पूर्व 2018 में दिल्ली के खिलाफ 17 गेंदो में अर्धशतक पूरा किया था जबकि यशस्वी जायसवाल ने 2023 में केकेआर के खिलाफ इतनी ही गेंद में अर्धशतक बनाया था। तूफानी बल्लेबाजी कर रहे अभिषेक शर्मा ने 12 गेंदों में 46 रन बना कर अर्धशतक के सभी रिकार्ड को ध्वस्त करने की दहलीज पर थे मगर कुलदीप यादव की गेंद को हिट करने के प्रयास में वह कवर पर खड़े अक्षर पटेल को कैच थमा कर पवेलियन लौट गये।

राहुल व गायकवाड़ पर जुर्माना

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी संबंधित टीमों ने इकाना क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे सीजन में अपने संघर्ष के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन किया था। मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए दोनों कप्तानों पर 12-12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर घोषणा की कि दोनों टीमों ने आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन किया है, जो न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित है। बयान में कहा गया, लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2024 के मैच 34 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के बाद जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल 2024 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	7	6	1	12	0.677
हैदराबाद	7	5	2	10	0.914
कोलकाता	6	4	2	8	1.399
चेन्नई	7	4	3	8	0.529
लखनऊ	7	4	3	8	0.123
दिल्ली	8	3	5	6	-0.477
मुंबई	7	3	4	6	-0.133
गुजरात	7	3	4	6	-1.303
पंजाब	7	2	5	4	-0.251
बेंगलुरु	7	1	6	2	-1.185

सेंट जोसेफ कॉन्वेंट और दी आइकोनिक स्कूल ने जीता खिताब

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट द्वारा इंटर स्कूल बॉस्केटबॉल टूर्नामेंट का समापन हुआ। बॉयज ग्रुप के फाइनल मुकाबले में दी आइकोनिक स्कूल ने आर्मी पब्लिक स्कूल को एकतरफा मुकाबले में 34-18 से हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं गर्ल्स ग्रुप में सेंट जोसेफ कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल इदगाह हिल और आर्मी पब्लिक स्कूल के मध्य मुकाबला हुआ। जिसमें सेंट जोसेफ कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन दिखाते हुए 23-12 से जीत हासिल की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला खेल अधिकारी रायसेन जलज चतुर्वेदी, सेंट जोसेफ कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्या सिस्टर लिली, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विजय सिंह की उपस्थिति में विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस अवसर पर बॉयज गुप के फाइनल मैच के प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब आर्मी पब्लिक स्कूल के संगम गोयत ने अपने नाम किया तथा बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड आईकॉनिक स्कूल के अभिनव शर्मा ने अपने नाम किया। वहीं गर्ल्स ग्रुप में फाइनल मैच के प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब सेंट जोसेफ स्कूल की सोनाक्षी ने प्राप्त किया तथा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का किताब सेंट जोसेफ कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल की अनुष्का सिंह को दिया गया।

मैनिट व एसएटीआई कॉलेज विजयी

भोपाल । आईसीपीटीएल टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता में भेल कॉलेज एवं मैनिट कॉलेज के बीच खेला गया जिसमें मैनिट कॉलेज ने 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाएं जिसमें अनुराग दुबे ने 7 चौके और एक छक्के की मदद से 38 गेंद में 51 रन बनाएं इसके अलावा अजय सिंह ने 29 गेंद में 39 रन का योगदान दिया। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी भेल कॉलेज की टीम 17.2 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 122 रन ही बना सकी। मैनिट की ओर से नवीन ने 3.2 ओवर में 26 रन देकर तीन, अजीत सिंह ने तीन ओवर में 10 रन देकर तीन विकेट लिए। इस प्रकार मैनिट ने यह मुकाबला 66 रनों से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच शानदार प्रदर्शन करने वाले मैनिट के अजीत सिंह रहे। दूसरा मुकाबला एसएटीआई कॉलेज विदिशा और स्कोप ग्लोबल के बीच खेला गया जिसमें एसएटीआई कॉलेज ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी स्कोप ग्लोबल की टीम 19.2 ओवर में 10 विकेट पर 135 रन बना सकी, जिसमें चंदन कुशवाह ने 47 गेंदों में 46 रन का योगदान दिया। स्कोप ग्लोबल की ओर से एसएटीआई कॉलेज विदिशा की ओर से चंद्रमा ने 3.2 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट, अभय प्रताप ने चार ओवर में 24 रन देख तीन विकेट लिए। इस प्रकार एसएटीआई कॉलेज विदिशा ने यह मुकाबला 16 रनों से जीत लिया। इस मैच के मैन ऑफद मैच एसएटीआई कॉलेज विदिशा के चंद्रमा शास्त्री रहे।

पैरा केनो टीम ने जापान में चार गोल्ड और पांच सिल्वर जीते

भोपाल। टोक्यो जापान में आयोजित पैरा केनो एशियाई चैंपियनशिप व केनो स्प्रिंट एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय पैरा केनो ने अपने रिकॉर्ड को कायम रखते हुए चार गोल्ड, पांच सिल्वर और एक कांस्य पदक अपने नाम कर भारत का नाम रोशन किया। भारत की ओर से जयदीप, प्राची यादव, सुरेंद्र ढाका, पूजा ओझा ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। जबकि गजेंद्र, सवाना, रजनी, यश कुमार, सोनम ने सिल्वर जीता, वहीं संगीता ने एक ब्रांज पदक प्राप्त किया। टीके मुख्य प्रशिक्षक मयंक ठाकुर, ओलंपियन कोच उनके सहयोग में अनिल राठी, नाजिश मंसूरी, रिंकू सिं, सपार्टिंग स्टाफ के रूप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे। मयंक ठाकुर ने बताया कि पैरा केनो टीम के सभी खिलाड़ियों ने अपना बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं भारतीय कयाकिंग केनोइंग संघ के अध्यक्ष प्रशांत कुशवाहा ने टीम को बधाई दी है। पैराकेनो के अलावा भारतीय केनो स्प्रिंट टीम की खिलाड़ी मेघा प्रदीप ने सी1, 500 मीटर में एक कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया है।

अंशु और फोगाट ने हासिल किया पेरिस ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली। भारत के स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट और अंशु मलिक ने बिश्केक में जारी एशियन ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है। विनेश ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं के 50 किग्रा सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की लौरा गैनिवजी को 10-0 से हराकर महिला 50 किग्रा वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल किया। उन्होंने 4-18 मिनट में लड़ाई जीत ली। अब उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान की अक्तेंगे क्यूनिमजेवा से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे की मेंग हसुआन हसी को 4-2 से हराया है। वहीं, अंशु मलिक ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया। उन्होंने उज्बेकिस्तान की लैलोखोन सोबिरोवा को 11-0 से तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। पूर्व में अंशु ने बिश्केक में अपने दोनों मुकाबले तकनीकी श्रेष्ठता के दम पर जीते थे। अंशु ने क्वार्टरफाइनल मुकाबला भी एकतरफा अंदाज में जीता था। इससे पहले युवा पहलवान अंतिम पंघाल ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर 53 किलोग्राम वर्ग में देश के लिए कोटा जीता था। यह भारत का रेसलिंग में दूसरा कोटा है।

कार्तिक का दावा, टी-20 विश्वकप के लिए तैयार

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भारत के लिए फिर से खेलने के अपने सपने को नहीं छोड़ा है और टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने के लिए वह वो सबकुछ करेंगे जो वह कर सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप तक कार्तिक 39 साल के हो जाएंगे। वह 2022 में आस्ट्रेलिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के अंतिम चरण का भी हिस्सा थे जो भारतीय टीम के लिए उनका अंतिम टूर्नामेंट था। तब से वह क्रिकेट विशेषज्ञ बन गए हैं और कमेंट्री भी करने लगे हैं। ईपीएल के इस सत्र में वापसी करते हुए वह अपनी बल्लेबाजी को नए स्तर तक ले गए हैं और 205 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं।

शूटिंग

मनु भाकर ने ओलंपिक चयन ट्रायल में विश्व रिकॉर्ड से छह अंक अधिक हासिल किए

मनु भाकर का दमदार प्रदर्शन, अनीश की अप्रत्याशित जीत

● नई दिल्ली

ओलंपियन और महिला पिस्टल शूटर मनु भाकर ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल ओलंपिक चयन ट्रायल टी1 (ओएसटी टी1) प्राप्त करने के लिए, विश्व रिकॉर्ड से छह अंक अधिक अंक हासिल करते हुए चार प्रतिद्वंदी महिलाओं को शनिवार को यहां डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में धूल चटा दी।

बाद में अनीश भानवाला ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) ओएसटी टी1 में अपेक्षित विनियमन जीत हासिल की। आज के दिन राइफल और पिस्टल पेरिस ओलंपिक ट्रायल 1 और 2 के पहले विजेताओं की पहचान हुई। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) 1 और 2 राइफल, पिस्टल के पहले दिन प्रतियोगिता के अंत में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में मनु शीर्ष पर रहीं, जबकि भावेश शेखावत ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया। महिलाओं के फाइनल में मनु ने पूरी तरह से अपने क्लास का परिचय दिया, पांच रैपिड-फायर शॉट्स की 10 श्रृंखलाओं में उनका स्कोर 4,4,5,5,5,5,4,5,5 और 5 था। जब ईशा 23 के स्कोर के साथ सातवीं श्रृंखला में बाहर होने वाली पहली महिला थीं, तब मनु पहले से ही 32 के स्कोर पर थीं, रिदम और अभिदन्या से छह आगे, जो उस समय बराबरी पर थे। क्वालीफाइंग में 585 अंक बटोरने की वजह से ईशा सिंह हालांकि इसके अंत में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल ओएसटी का नेतृत्व करेंगी। ईशा के इस स्कोर ने उन्हें शुक्रवार को पांच महिलाओं प्रतिद्वंदियों के बीच में शीर्ष पर पहुंचने में मदद की। सिमरनप्रीत, अभिदन्या और रिदम के साथ मनु दूसरे स्थान पर होंगी।

पुरुष वर्ग में अनीश रहे आगे

अनीश ने पुरुषों के आरएफपी में भी अपने शानदार प्रदर्शन का प्रमाण दिया जब उन्होंने 33 हिट के साथ फिनिश किया। वह विजयवीर सिद्धू से छह अंक आगे रहे जो दूसरे स्थान पर थे। आदर्श सिंह ने 23 हिट के साथ तीसरा पोडियम पॉइंट हासिल किया। क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद भावेश शेखावत(18 हिट) के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि अंकुर गोयल (10 हिट) के साथ बाहर होने वाले पहले पुरुष शूटर रहे। बेहतर क्वालीफाइंग स्कोर के कारण, विजयवीर वर्तमान में उस स्टेज के शीर्ष पर अनीश को पीछे छोड़ दिया, जो बदले में इस स्टेज पर भावेश के साथ अभी अनिश्चित है। समान स्पर्धाओं के लिए ओएसटी टी2 रविवार को क्वालिफिकेशन राउंड के साथ शुरू होगा, जिसका फाइनल सोमवार को होगा।

गार्बाइन मुगुरुजा ने टेनिस से लिया संन्यास

मैड्रिड। दो बार की मेजर चैम्पियन गार्बाइन मुगुरुजा ने 30 साल की उम्र में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने यह फैसला लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने के कारण लिया। वह जनवरी 2023 के बाद से टेनिस नहीं खेली हैं। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ीने शनिवार को मैड्रिड में कहा कि मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने और अपनी जिंदगी में एक नया अध्याय खोलने का समय आ गया है। मुगुरुजा ने 2016 फ्रेंच ओपन फाइनल में सेरेना विलियम्स और 2017 विम्बलडन फाइनल में वीनस विलियम्स को हराया था। इससे वह ग्रैंडस्लैम खिताब मैच में दोनों विलियम्स बहनों को हराने वाली एकमात्र खिलाड़ी बन गयी थीं। इस स्पेनिश खिलाड़ी के नाम 10 करियर खिताब रहे हैं। वह 2015 विम्बलडन तथा 2020 आस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रही थीं।

निभाया **अभिनेता** का किरदार

अभिनय के क्षेत्र में वास्तविकता और कल्पना के बीच के फर्क को पहचानना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, खासकर उस समय जब कलाकार खुद को स्क्रीन पर अभिनेता के किरदार में ढालता है। स्क्रीन पर अभिनेता अक्सर अपने किरदार को निभाते हुए, उसमें इतनी गहराई से घुस जाते हैं कि वे अपनी पहचान तक भूल जाते हैं। कुछ ऐसे ही कलाकारों की प्रस्तुतियां -

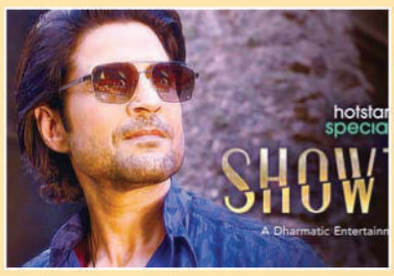

राजीव खंडेलवाल -

राजीव खंडेलवाल नई रिलीज 'शोटाइम' में अरमान सिंह का किरदार निभाया है। प्रसिद्ध लेकिन अभिमानी और अहंकारी सुपरस्टार है। यह सीरीज नेपोटिज्म और सत्ता संघर्ष को छूते हुए बॉलीवुड की दुनिया की खोज करती है। खंडेलवाल सुपरस्टार के व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन की जटिलताओं को उजागर करते है। 'शोटाइम' में इमरान हाशमी, नसीरुद्दीन शाह, महिमा मकवाना और श्रिया सरन है।

माधुरी दीक्षित -

धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित, ने ओटीटी डेब्यू 'द फेम गेम' में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री अनामिका आनंद का किरदार निभाई है। बाहरी सफलता के बावजूद, किरदार का जीवन आंतरिक उथल-पुथल से भरा हुआ है। जब उनके सह-कलाकार, मनीष खन्ना के साथ उनके रिश्ते में अप्रत्याशित रूप से खटास आ जाती है, तो अनामिका बिना किसी जानकारी के गायब हो जाती है। सीरीज नेटिफ्लक्स पर उपलब्ध है।

शाहरुख खान -

'ओम शांति ओम' में शाहरुख खान ने ओम कपूर के रूप में अभिनय किया है। इससे दीपिका पादुकोण ने अभिनय क्षेत्र में डेब्यू किया । कहानी 1970 में मुंबई के अभिनेता ओम के संघर्षों से शुरू होती है, जो शांतिप्रिया से प्यार करता है, लेकिन उसे शांतिप्रिया की गुप्त शादी का पता चलता है। फिल्म नेटिफ्लक्स पर उपलब्ध है।

करीना कपूर -

करीना 'हीरोइन' में माही अरोरा का किरदार निभाया है, जो नेटिफ्लक्स पर उपलब्ध है। यह कहानी माही की है जो बाइपोलर डिसऑर्डर से जूझ रही है। सफलता के शिखर से निराशा की गहराई तक, माही खुद को फिर से खोजने की यात्रा पर निकल पड़ती है।

अश्मित पटेल -

पटेल ने वॉचो एक्सक्लूसिव्स अनोखी सीरीज 'स्टेट वर्सेस आहूजा' में मनोरंजक भूमिका के साथ वापसी की है। अपनी नौकरानी द्वारा बलात्कार के आरोपी बॉलीवुड मेगास्टार अंश आहूजा की भूमिका निभाते हुए, अश्मित प्रसिद्धि और न्याय की बेड़ियों में उलझे हुए है। यह अपराध के जांच और अनोखे अदालती ड्रामा के जाल को उजागर करती है।

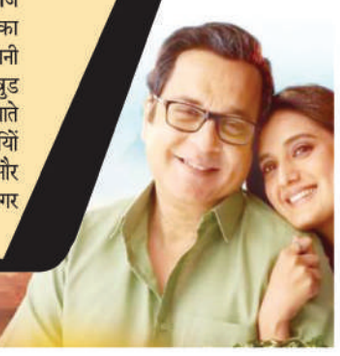

रोमांचक सीरीज और फिल्मों का लें आनंद

रोमांचकारी रहस्यों से लेकर दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी और कॉमेडी तक की पसंदीदा सूची में से कुछ न कुछ उपलब्ध है। मनोरंजक सीरीज और फिल्मों का लाभ उठाएं-

मर्डर मुबारक

यह फिल्म होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित थ्रिलर फिल्म है। पंकज त्रिपाठी और सारा अली खान के नेतृत्व में शानदार कलाकारों के साथ, इस फिल्म के मनोरंजक रहस्य का खुलासा शाही दिल्ली क्लब की विशेष दुनिया में होता है। एसीपी भवानी सिंह चौकाने वाली हत्या के बाद लालच और रहस्यों के जटिल जाल को प्रस्तुत करते है। यह थ्रिलर फिल्म नेटिफ्लक्स पर उपलब्ध है।

बौछार-ए-इश्क

इस लंबे सप्ताहांत में वॉचो पर उपलब्ध होने वाली सीरीज 'बौछार-ए-इश्क' जरूर देखें। इस सीरीज में हमें उत्तर प्रदेश के एक युवा जोड़े रजनीश और इंदु का सफर देखने को मिलता है, जहां उनके प्यार को दोनो के रूढ़िवादी परिवारों से चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जैसे -जैसे वे दोनों लिव-इन रिलेशनिशप और विवाह पर होने वाले समाज के सामाजिक निर्णयों से गुजरते है। यह सीरीज प्रेम, विवाह और सेक्स से जुड़ी वर्जनाओं के विषयों को गहराई से दर्शाती है। इशान बाजपेयी, अंशुमन सिन्हा और तृप्ति कंगने द्वारा लिखित और अंकित शर्मा और अर्शा गोस्वामी द्वारा अभिनीत, 'बौछार-ए-इश्क' भावनाओं, हंसी और नाटक की एक रोलर कोस्टर सवारी है जो दर्शकों का मनोरंजन करने का वादा करती है।

कच्छ एक्सप्रेस

इस सप्ताह के अंत में 'कच्छ एक्सप्रेस' की दिल छू लेने वाली यात्रा का आनंद लें! यह गुजराती ब्लॉकबस्टर फिल्म, शेमारूमी पर हिंदी और गुजराती दोनों में उपलब्ध है, यह फिल्म एक समर्पित पत्नी मोंघी के इर्द गिर्द घूमती है, जिसका जीवन उसके पति की बेवफाई से हिल गया है। अपनी सास के साथ, मोंघी अपने परिवार की खुशियों की रक्षा के लिए कई उतार-चढ़ाव से गुजरती है। मानसी पारेख और रत्ना पाठक शाह जैसे कई उत्कृष्ट कलाकारों के साथ, 'कच्छ एक्सप्रेस' एक अविस्मरणीय कहानी पेश करती है, जो प्यार और पहचान की तलाश की खोज करती है।

मैं अटल हूं

इस लंबे सप्ताहांत में ज़ी5 पर 'मै अटल हूं' में पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रेरक यात्रा की खोज करें। प्रतिभाशाली पंकज त्रिपाठी द्वारा अभिनीत, यह एक ऐसे नेता के जीवन पर आधारित कहानी है जिसने भारत के इतिहास को आकार दिया। कारगिल युद्ध में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से लेकर कविता के प्रति उनके प्रेम तक, यह फिल्म सभी चीज़ों को बखूबी दर्शाती है। विनोद भानुशाली, संदीप सिंह और कमलेश भानुशाली द्वारा निर्मित यह कहानी इन उल्लेखनीय शख्सियत के लिए एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि है।

द रेलवे मेन

इस लंबे सप्ताहांत में नेटिफ्लक्स पर 'द रेलवे मेन' के साथ एक साहस की यात्रा को देखें। सच्ची घटनाओं से प्रेरित, यह मनोरंजक सीरीज उन वीर रेलवे कर्मचारियों का सम्मान करती है, जिन्होंने 1984 में यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के संयंत्र में भोपाल गैस त्रासदी के दौरान लोगों की जान बचाई थी। आर.माधवन, के के मेनन, दिव्येंदु और बाबिल खान के नेतृत्व में, सहायक भूमिकाओं में सनी हिंदुजा और जूही चावला मेहता के साथ, यह एक शानदार प्रदर्शन है। इस सम्मोहक ऐतिहासिक नाटक में भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर गुलाम दस्तगीर और उनकी टीम की बहादुरी का गवाह बनें।

सीक्वल 'पुष्पा 2'

चर्चित फिल्म 'पुष्पा' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'पुष्पा 2' के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है- 'पुष्पा' के साथ ब्रांड एसोसिएशन का निर्णय दरअसल इसलिए किया गया, क्योंकि किरदारों में जिस तरह की हाई लेवल एनर्जी दिखाई गई है, वह गोल्डमेडल इलेक्ट्रिकल्स के मिशन के साथ निकटता से जुड़ी हुई है। 2021 में रिलीज़ हुई पहली 'पुष्पा' फिल्म बेहद सफल रही थी, जिसने अपने गंभीर कथानक, प्रभावशाली चित्रण और हाई एनर्जी वाले एक्शन सेट के साथ था। उस इलेक्ट्रिफाइंग एनर्जी को उजागर करना चाहती है, जो पुष्पा फ्रैचाइज़ के केंद्र में भी है। निदेशक किशन जैन ने कहा- ''सीक्वल में से पुष्पा 2 के साथ अपने जुड़ाव का जश्न मनाने के लिए बेहद उत्साहित है। फिल्म अपने ओरिजिनल ब्लॉकबस्टर की कामयाबी को आगे बढ़ाने की राह पर है। फिल्म के लीड कैरेक्टर पुष्पा राज है, जिसकी हम सभी प्रशंसा करते है।''

पंकज त्रिपाठी और मनोज बाजपेयी के मजाक

इंटरनेट पर ट्रेंडिंग वीडियो को लेकर उत्साह का माहौल है, जिसमें बॉलीवुड आइकन पंकज त्रिपाठी और मनोज बाजपेयी मजेदार नोकझोंक कर रहे हैं। दो अभिनेता मज़ाकिया ढंग से मैं अटल हूं और साइलेंस 2: द नाइट आउल बार शूटआउट का आनंद ले रहे हैं। मनोज ने 'मैं अटल हूं' में शानदार अभिनय के लिए पंकज की सराहना की और अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में उनके असाधारण अभिनय की सच्ची प्रशंसा की। पंकज ने भावना व्यक्त की और मनोज की आगामी थ्रिलर, साइलेंस 2: द नाइट आउल बार शूटआउट देखने के लिए उत्सुकता व्यक्त की। तीन प्रसिद्ध अभिनेताओं, पंकज त्रिपाठी, मनोज बाजपेयी और नवाजुद्दीन सिद्दीकी को अपना घर मिल गया है। त्रिपाठी की मैं अटल हूं और कड़क सिंह, सिद्दीकी की हड्डी और बाजपेयी की साइलेंस: कैन यू हियर इट?, सिर्फ एक बंदा काफी है जैसी प्रस्तुतियों ने व्यापक प्रशंसा अर्जित की है।

स्नो किंगडम में गामी

मास का दास विश्वक सेन की ''गामी'' महाकाव्य सर्वाइवल ड्रामा है, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म ज़ी5 पर स्ट्रीम हो रही है। ''गामी'' की शूटिंग हिमालय में ठंडे तापमान के बीच की गई थी। विश्वक सेन और ''गामी'' के निर्देशक विद्याधर कगीता दोनों ने आशा व्यक्त की कि दर्शक सराहना करेंगे। विद्याधर कगीता ने कहा कि कुछ लोग गामी की कहानी को समझ नहीं पाए और कहा कि अब फिल्म ज़ी5 पर स्ट्रीम हो रही है, वे एक बार फिर से देख सकते है और कीनली को देखकर गायब बिंदुओं को जोड़ सकते है। विश्वक सेन ने ''गामी'' में चुनौतीपूर्ण भूमिका के बारे में साझा की, उन्होंने अघोर का किरदार निभाया था, जो दो महीने से अधिक समय तक बिना सुरक्षात्मक गियर के कठोर हिमालयी परिस्थितियों को सहन करता था। उन्होंने कहा कि हिमालय में ठंड की स्थिति के दौरान, लोग वाराणसी में मौत का जश्न भी मनाते थे और उन्हें लगता था कि जीवन बहुत छोटा है। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने कहा कि गामी हिट नहीं होगी क्योंकि इसमें व्यावसायिक तत्वों की कमी है। यह फिल्म उनके करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हुई। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा कि फ्लॉप फिल्म के बजाय ऐसी कहानी पर विश्वास करना चाहिए।

चिंगारी ने की चिंगारी म्यूजिक की घोषणा

दुनिया की वेब3 लाइव स्ट्रीमिंग ऐप चिंगारी ने म्यूजिक लेबल, चिंगारी म्यूजिक लॉन्च की। लेबल का लक्ष्य पूरे भारत में उभरते और प्रसिद्ध संगीत कलाकारों को खोजना और उन्हें बढ़ावा देना है। चिंगारी म्यूजिक कलाकार के करियर के म्यूजिक प्रोडक्शन से लेकर लांच और सभी पहलुओं को संभालेगा। चिंगारी के 200 मिलियन से अधिक के उपयोगकर्ता है। पहला म्यूजिक वीडियो ''डू डू एंथम'' लॉन्च किया है। इसमें नायरा बनर्जी और निशांत मलकानी जैसी प्रमुख बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल है। उनमें इंडियन आइडल अर्श मोहम्मद का योगदान है, जिन्होंने इस गाने में अपनी आवाज़ दी है। यूट्यूब पर लॉन्च होने के पहले 24 घंटों में इस एंथम को 5 मिलियन से अधिक बार देखा गया।

वीर बनेंगे उत्तम पति

कलर्स के 'मेरा बलम थानेदार' ने नाबालिग दुल्हन, बुलबुल (श्रुति चौधरी), और पुलिस अधिकारी, वीर (शगुन पांडे) के इर्द-गिर्द की कहानी है। मतभेदों के बावजूद, वे विश्वास जीतने और वैवाहिक जीवन की जटिलताओं से निपटने के सफर पर निकलते है। वीर बुलबुल को उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई काम करने के लिए मजबूर नही करता है, उसकी सीमाओं का निरंतर सम्मान करता है, जो उसके ''ग्रीन फ्लैग'' वाले व्यवहार को दर्शाता है। कभी भी बुलबुल पर खुद को थोपता नही है। अप्रत्याशित शादी होने के बावजूद, वीर ने हमेशा अपनी पत्नी की पसंद-नापसंद को समझा है। उसकी पसंदीदा मिठाइयां लाकर उसे सरप्राइज़ दिया, और रिश्तेदारों के तानों या आलोचनाओं से बुलबुल को बचाता है। बिना शर्त समर्थन और प्रोत्साहन देने वाला जीवनसाथी बनकर, वीर आदर्श पति का सराहनीय उदाहरण प्रदर्शित करता है।

हमारी केमिस्ट्री बहुत अच्छी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का कॉमेडी शो 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे', कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूजा का स्वागत करेगा। हुमा कुरेशी के साथ अनुभवी कॉमेडियन्स है। कुशाल बद्रीके कहते है- ''हम ईएमआई एक्ट में प्रफुल्लता और प्यार के प्यारे से टच के लिए रोमांचित है। कहानी ईएमआई की समस्या में फंसे हुए पति के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां उसकी तेज़ दिमाग वाली पत्नी उसे बचाने के लिए आगे आती है! हेमांगी कवि और केतन सिंह के साथ काम करना बहुत मज़ेदार रहा है। हमारी केमिस्ट्री बहुत अच्छी है, हुमा कुरेशी और रेमो डिसूज़ा दोनों को परफॉर्मेंस पसंद आया, और उन्होंने दिल छूने वाले ट्विस्ट के साथ कॉमेडिक टच की तारीफ की।''

गंवाना नहीं चाहती ख्वाहिश

अभिनेत्री ख्वाहिश ने वॉचो एक्सक्लूसिव की सीरीज 'फ्लैश' के साथ ओटीटी डेब्यू किया है, जिसमें वे अंशुल पांडे और सागर कपूर के साथ स्क्रीन साझा कर रही है। ख्वाहिश विज्ञापनों में भी दिखाई दे चुकी है। 'फ्लैश' सीरीज़ में ख्वाहिश, क्षआ चौहान का किरदार निभा रही है, जो अजीबो-गरीब फोटोशूट के लिए लुभाती है, जिससे कई पेचीदा हालात पैदा हो जाते है। उन्होंने कहा, ''यह पहला अवसर था और मै वास्तव में इसे हाथ से जाने नही देना चाहती थी। किसी वेब सीरीज़ का हिस्सा बनने का यह मेरा पहला मौका था। मेरे लिए सुखद अनुभव था। मेरा कैमरे के साथ हमेशा से ही मजबूत संबंध रहा है। मुझे फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पसंद थी, खासकर इंस्टाग्राम पर विज्ञापन या फिर मॉडलिंग को लेकर क्रिएटिव कंटेंट बनाना। मुझे हमेशा से ही कैमरे के सामने रहना पसंद है, कई बार कैमरे के पीछे रहना भी पसंद करती हूँ।'' शौर्य सिंह द्वारा निर्देशित, 'फ्लैश' मनोरंजक सीरीज़ है, जो पोट्रेट फोटोग्राफर वंश कुंद्रा पर आधारित है, जो रहस्यमय कक्षा चौहान के साथ फोटोशूट के दौरान रहस्यों से भरी धोखे की दुनिया में फंस जाता है।

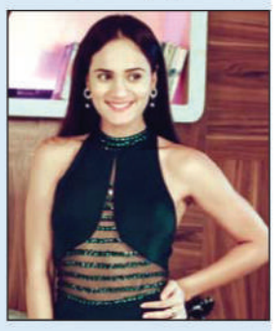

भुवन और श्रिया की 'ताजा खबर 2'

हॉटस्टार स्पेशल्स 'ताज़ा खबर सीजन 2 की शूटिंग पूरी हो चुकी है, इसे डिज़्नी+हॉटस्टार पर रिलीज किया जायेगा। बीबी की वाइंस प्रोडक्शन्स के बैनर तले रोहित राज और भुवन बाम द्वारा निर्मित 'ताज़ा खबर' को हिमांक गौड़ ने निर्देशित किया है। हुसैन और अब्बास दलाल इसके राइटर है। श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी, शिल्पा शुक्ला, प्रथमेश परब, नित्या माथुर इसमें प्रमुख किरदार निभायेंगे। बाम ने कहा, 'हमारी टीम एक परिवार की तरह है और हमारे बीच काफी घनिष्ठता है। श्रिया, प्रथमेश, देवेन जी और हम सभी लोग इस सीजन की शूटिंग को लेकर बेहद रोमांचित और उत्?साहित थे। हम वसंत की जिन्दगी की गहराई में उतरे है। ''पिलगांवकर ने कह- 'मुझे मधु का किरदार निभाने और इस शानदार अनुभव का हिस्सा बनने की सचमुच याद आएगी। मधु का बिलकुल अलग पहलू दिखने वाला है।!''

टीवी

मेहरा की धोखाधड़ी

सोनी सब का 'आंगन अपनों का' पारिवारिक ड्रामा है, पल्लवी (आयुषी खुराना) के पिता जयदेव (महेश ठाकुर) है। चाची सास कुसुम (सोनाली नाइक) है। इस बीच, अवस्थी परिवार को पता चलता है कि पप्पी ने उन्हें धोखा दिया है। ठाकुर ने कहा- ''जयदेव हमेशा मां और पिता दोनों की भूमिका निभाते हुए बेटियों के लिए समर्पित रहा है। बड़ी बेटी दीपिका की आर्थिक समस्या में उसकी मदद करने की कोशिश करता है। पप्पी की धोखाधड़ी के कारण उसे अपने परिवार के सामने अपमानित होना पड़ा। उसे गिरवी रखा हुआ अपना घर भी बचाना है। यह बहुत मुश्किल है और उसे समझ नहीं आ रहा है कि क्या करें। माता-पिता अपने बच्चों की देखभाल के लिए किसी भी हद तक जा सकते है, यहां तककि सब कुछ जोखिम में भी डाल सकते है।''

बिल्कुल गंदगी न रखने की नीति

सोनी सब का 'वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से' के सुमीत राघवन और परिवा प्रणति, अच्छी आदतों और परंपराओं के चैंपियन है। उन्होंने बिल्कुल भी गंदगी न रखने की नीति अपनाई है। अपने अदृश्य झाड़ू लेकर, सुमीत और परिवा ध्यान रखते है कि केले के छिलके यूं ही न फेंक दिए जाएं और कोई मुड़ा-तुड़ा कागज़ इधर-उधर न पड़ा रहे। और यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर कोई इस बात का ख्याल रखे, उन्होंने बढ़िया सिस्टम शुरू किया है, अगर कोई सेट पर गंदगी फैलाते हुए पकड़ा जाता है तो उस पर 100 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।राघवन ने कहा- ''परिवा और मै दोनों सेट और मेकअप रूम को साफ करते है। हम सेट पर चाहे किसी का भी जन्मदिन मनाएं, हर कोई केक काटने के लिए मेरे कमरे में आता है, पीछे छोड़ जाता है कचरा, जिस कारण से मै अपने मेकअप रूम को फिर से साफ करता हूं। आखिरकार, हम रोज़ाना सेट पर लगभग 12 घंटे बिताते है और हमारी भलाई के लिए इसे साफ रखना महत्वपूर्ण है। इसलिए हमने सेट पर कचरा फैलाने या उसे साफ न करने वाले पर जुर्माना लगाने का विचार किया।'' परिवा ने कहा, ''कचरा फैलने के मामले में सुमीत और मैने सेट पर साफ-सफाई बनाए रखना अपना मिशन बना लिया है।''

प्यारे ने दिखाए असली रंग

जी टीवी के शो प्यार का पहला नाम राधा मोहन में आए 7 साल के लीप के बाद राधा और मोहन बिल्कुल अलग-अलग स्थिति में है जिनके रोल क्रमशः निहारिका रॉय और शबीर अहलुवालिया निभा रहे है। युग कोहली (मनित जौरा) दिल्ली में है । मनित बताते है- इस तरह का तेजतर्रार और अप्रत्याशित किरदार निभाना रोमांचक है, जो इतना गंभीर और पेचीदा है। मैने इससे पहले हमेशा पॉजिटिव और अच्छे लड़के की भूमिकाएं निभाई है और ऐसे में इस तरह का अलग और गैर पारंपरिक किरदार निभाना बड़ा रोमांचक है। मैने मनोविज्ञान की बारीकियों के बारे में गहराई से पढ़ा है।''

कौन बनेगा करोड़पति का नया सीजन

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का कौन बनेगा करोड़पति ऐसा रियलिटी शो है, जिसे हर उम्र के दर्शक बड़े ही चाव से देखते है। इसके सीज़न 16 को शुरू करने की घोषणा की है। इसके रजिस्ट्रेशन की तारीख का ऐलान भी कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन्स 26 अप्रैल से शुरू होने जा रहे है। शो देश के कोने-कोने से आने वालों को करोड़पति बनने का मौका देता है। इसकी पॉपुलैरिटी ऐसी है कि नवीनतम सीज़न 16 के माध्यम से फिर से लौट रहे है।

सलीम और रिंकू का खास कनेक्शन

खेल और मनोरंजन एक-दूसरे से जुड़े हैं, लोगों के बीच अचानक से दोस्ती हो जाना आम बात है। सलीम ज़ैदी, जो 'भाबीजी घर पर हैं' में अपने किरदार टिल्लू के लिये चर्चित हैं, और दूसरे हैं क्रिकेटर रिंकू सिंह। जैदी ने सोशल मीडिया हैण्डल्स पर क्रिकेट की इस नई सनसनी के साथ वाली अपनी तस्वीरों और वीडियोज की बौछार कर रखी है। जैदी ने बताया, ''क्रिकेट के सितारों के साथ मेरे खास लगाव के बारे में ज्यादा लोगों को पता नहीं है। टैलेंटेड लेग-स्पिनिंग ऑल-राउंडर पियूष चावला, यूनिवर्सिटी में मेरे सीनियर थे। उन्होंने ही रिंकू सिंह से मेरा परिचय कराया था। फिर हमने कई बार कॉल्स और मैसेजेस पर किसी दिन मिलने की योजना बनाई, लेकिन हमारे शेड्यूल मेल नहीं खा रहे थे। किस्मत से मुंबई के होटल में हमारी मुलाकात हो गई और सिंह ने मुझे बड़े अपनेपन से कमरे में बुलाकर अपने करीबी लोगों से मेरा परिचय कराया। ''

तन्वी ने किया खुलासा

स्टार भारत के शो सावधान इंडिया : अपनी खाकी शो में पुलिस अफसर प्रगति देशमुख का किरदार निभा रही तन्वी मल्हारा की त्वचा का राज जानने के लिए उत्सुक है। तन्वी कहती है- ''मेरे लिए ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों परिस्थितियों में स्वस्थ त्वचा बनाए रखना प्राथमिकता है। शरीर को हाइड्रेट रखना खासकर बहुत महत्वपूर्ण है। मै त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए बहुत सारा पानी पीती हूं। त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए चेहरे पर मॉइस्चराइजर लगाना आवश्यक है। इसके बाद गर्मी को देखते हुए सनस्क्रीन लगाना भी अत्यंत आवश्यक है, हर रोज त्वचा की देखभाल करने के लिए यह तीन चीज़े जरूर करती हूं खासकर जब बाहरी जगह पर शूट करती हूं।'' वह आगे बताती है- ''गर्मी के दौरान, त्वचा को आंतरिक और बाहरी दोनों तरह से पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है इसलिए सुबह उठते ही नारियल पानी पीती हूं, इसके बाद आवश्यक स्किन केयर रूटीन को फॉलो करती हूं, जैसे कि मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन लगाना। ये दो चीज़े बहुत ही महत्वपूर्ण है।''

गेंहू की पराली में लगी आग तीन गांव पहुँची

ग्रामीणों की मदद से आग पर पाया गया काबू, डेढ़ घण्टे बाद पहुँचा दमकल

खेतासराय (जौनपुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के मानीकला गांव में रविवार को अज्ञात कारणों से गेहूं की पराली में लगी आग तीन गांव तक पहुँच गई । संयोग अच्छा था कि किसानों ने पहले ही मशीन से फंसल को काट लिया था । ग्रामीणों के अथक प्रयास से दो घण्टे बाद आग पर काबू पाया गया । आग की चपेट में आने खेत मे रखे 56 बोझ गेंहू और करीब आधे दर्जन से अधिक लोगों का भूसा जलकर राख हो गया।

सूचना पर पहुँचा फायर ब्रिगेड का वाहन रास्ता न होने की वजह से खड़ा रहा। बताया जाता है उक्त गांव में रविवार की सुबह साढ़े दस बजे पेट्रोल समीप के समीप एक स्कूल के पीछे खेत मे आग लग गई। आग इतनी वीभत्स थी कि आग की लपटें बढ़ती चली गयी। जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। गांव के ग्राम प्रधान मो अरशद समेत पुलिस के जवान पहुँच गए। ग्रामीणों ने पम्पिंग सेट और अन्य माध्यम से आग पर काबू का प्रयास किया लेकिन वह भुड़कुड़हा के बाद नोनारी गांव तक पहुँच गई । चूँकि आसपास आबादी गांव की होने की वजह से लोग सांसत में पड़ गए थे । लोगों ने आग वाले स्थान से पहले जुताई करके आग को बढ़ने से रोका । खेत मे बोझ बनाकर मो तौहीद का करीब दो सौ बोझ पड़ा था जिसमें 56 बोझ आग की भेंटि चढ़ गया । वही अन्य किसान बिसमिल्लाह खान, चेतु प्रजापति, रमेश कुमार, अलाउद्दीन, बखेडू प्रजापति, विजय सोनकर व तबरेज मास्टर का पूर्व में गेहूं की मड़ाई के बाद पड़ा भूसा जल कर राख हो गया । लगभग दो सौ कुंतल भूसे का नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। लेखपाल श्रीप्रकाश गुप्ता मौके पर पहुँचकर जाँच पड़ताल की। घटना के देढ़ घण्टे बाद दो दमकला पहुँचा। करीब साढ़े बारह बजे आग पर काबू पाने के बाद सभी ने राहत की सांस ली।

प्रत्येक वोट लोकतंत्र की पहचान, सब मिलकर करें मतदान

प्रखर वाराणसी। देश के भविष्य को समृद्ध और मजबूत बनाने के लिए आपका एक-एक वोट भी अमूल्य है। लोकतंत्र द्वारा दिए गये अपने सबसे बड़े अधिकार का उपयोग करें और अपने मतदान को महत्व दें। आज अभ्युदय सेवा समिति के कार्यालय पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों जनो मे इस आगामी लोकसभा चुनाव मे अपने मत का उपयोग करे, देशहित मे करे योगदान के तहत जागरूक किया गया। अमिताभ दुबे, जेपी पटेल, शिवम सिंह, नितिन गुप्ता, रोहित सोनकर, सुनील पाल और समिति के सदस्य मौजूद रहे।

अनिच्छित हत्या के मामले में अपर मुख्य अधिकारी बलिया को मिली जमानत

प्रखर वाराणसी। अखबार बांटने जा रहे तीन हाकरों की कार से कुचलकर हुई अनिच्छित हत्या के मामले में आरोपित जिला पंचायत, बलिया के अपर मुख्य अधिकारी को बड़ी राहत मिल गई। जिला जज संजीव पाण्डेय की अदालत ने रसूलपुर, अंगुलियां (गाजीपुर) निवासी आरोपित अपर मुख्य अधिकारी विंध्याचल सिंह कुशवाहा को एक-एक लाख रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, विकास यादव व अजय पाल ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार चौबेपुर निवासी वादी अजगुत प्रसाद ने चौबेपुर थाने में तहरीर दी थी आरोप था कि 13 अप्रैल 2024 को उसका लड़का संजीत कुमार गांव के शैल कुमार व प्रमोद कुमार के साथ सुबह अपनी-अपनी साईकिल से अखबार बांटने चौबेपुर जा रहे थे उसी दौरान समय करीब 6.15 बजे उंगापुर (पंडापुर) के सामने गाजीपुर की तरफ से तेज रफ्तार से आती हुयी कार (यूपी 70 जीएक्स 1800) जिसे चालक विन्ध्याचल सिंह कुशवाहा चला रहा था तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाकर बारी-बारी तीनों व्यक्तियों को टक्कर मारते हुए भागने का प्रयास किया जिससे संजीत व शैल की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी तथा प्रमोद को गम्भीर हालत में अस्पताल भेजवाया गया। जहां बाद में प्रमोद की भी उपचार के दौरान मौत हो गई इस मामले में पुलिस ने आरोपित चालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 279, 338 व 304 (ए) के तहत मुकदमा दर्ज किया था बाद में विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धारा 304 (ए) को तरमीम करते हुए धारा 304 (2) व 427 की बढ़ोत्तरी कर दी।

महावीर जयंती पर वर्षा नेत्रालय ने लगाया रक्तदान शिविर

पिंडरा। त्याग संयम और करुणा के प्रतीक तथा अहिंसा परमो धर्म के प्रणेता जनकल्याणक भगवान महावीर जयंती के अवसर पर अभ्युदय सेवा समिति एवं वर्षा नेत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग दो दर्जन से अधिक लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदाताओं का रक्त संग्रह पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल के ब्लड बैंक ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईआईटी के सेवानिवृत वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक घनश्याम लाल यादव ने फीता काट कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा रक्तदान मानवता की सच्ची सेवा का प्रतीक है। जो जाति पंथ धर्म आदि से परे लोगों को मानवता की सेवा के प्रति जागरूक और एकजुट करता है। वर्षा नेत्रालय के प्रबंध निदेशक व लोकजन सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विरेंद्र विश्वकर्मा ने कहाकि रक्तदान से कई लोगों की जिंदगी बचती है, रक्तदान का कितना महत्व है। इसका अहसास हमे तब होता है, जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। इस मौके पर वर्षा नेत्रालय की ओर रक्तदाताओं को क्लासिकल चश्मा भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर रमेश चंद्र राय,प्रियंका, महेंद्र, रिंकू, सुनील पाल, अभिषेक अग्रहरि, राजकुमार गुप्ता, रमेश विश्वकर्मा, शिव प्रसाद, अखिलेश सिंह, पिंटू, कैलाश विश्वकर्मा, संतोष, विक्की,सुरेश मौर्य, चंदन, मंगेश, विशाल,शिव प्रकाश यादव,कमलेश मोदनवाल, डब्लू सेठ, पवन कुमार समेत अनेक लोग रहे।

लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में बढ़ चढ़कर लें हिस्सा करें मतदान

सकलडीहा। सकलडीहा विकास खण्ड कार्यालय से बीडीओ केके सिंह के नेतृत्व में ब्लाक कर्मियों ने शनिवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान बैनर व पोस्टर हाथों में लेकर नारे लगाते हुए लोगो को जागरूक किया। रैली तहसील होते हुए कस्बा का भ्रमण किया। बीडीओ ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए शत प्रतिशत मतदान की अपील किया। लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। चन्दौली जनपद में सातवे और अंतिम चरण में लोकसभा चुनाव होना है। अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करे। इसको लेकर विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा रैली, नुक्कड़ नाटक व विभिन्न कार्यक्रमो के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में ब्लाक मुख्यालय से स्वीप योजना अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली निकली गई। ब्लॉक कमीयो ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियों व बैनर, पोस्टर के माध्यम से वोट डालने की अपील किया। कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरा करने वाले सभी युवा मतदाता मतदान करे। बुजुंग मतदाताओं को पोस्टल बैलेट से मतदान की जानकारी दी। बीडीओ ने बताया कि जाति,धर्म से ऊपर उठकर देश हित व समाज हित मे मतदान करे। चुनाव के दौरान किसी के न तो बहकावे में आए न ही दबाव में।अगर कोई ज्यादा जोर जबदस्ती करता है तो इसकी जानकारी पुलिस को दे। ताकि ऐसे लोगो पर सख्त कार्यवाही हो। इस मौके पर बीडीओ केके सिंह, एडीओ पंचायत बजरंगी पांडेय, मनीष सिंह, मिथिलेश गुप्ता, सतीश यादव, प्रवीण यादव, लल्लन राय, सुदर्शन, महेन्द्र लहरी, संजय सहित अन्य ब्लाककर्मी रहे।

कासिमाबाद पुलिस ने किया गैर इरादतन हत्या से संबंधित 01 अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में थाना कासिमाबाद पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 86/2024 धारा 304बी/498ए भा0द0वि0 व 3/4 डीपी ऐक्ट थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त मंजीत राजभर पुत्र दुखी राजभर निवासी ग्राम चवरा थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर को अभियुक्त के घर ग्राम चवरा से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई । उल्लेखनीय है कि वादिनी श्रीमती कौशिल्या देवी पत्नी नन्दू राजभर निवासी ग्राम बिहरा थाना बिरनो जनपद गाजीपुर के लिखित तहरीर पर थाना कासिमाबाद पर मु0अ0सं0 86/2024 धारा 304बी/498ए भादवि व ३ डीपी एक्ट बनाम मंजीत राजभर आदि के विरुद्ध पंजीकृत किया गया था। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

क्षत्रिय महासभा युवा ने जैन धर्म बचाओ आन्दोलन का किया समर्थन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। क्षत्रिय महासभा युवा ने भगवान महावीर की जयंती पर जैन धर्म को समर्थन देने का संकल्प लिया है। जिला मुख्यालय पर जैन धर्म के प्रवर्तक स्वामी महावीर को याद किया गया। क्षत्रिय महासभा युवा के जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि हम जैन धर्म बचाओ आंदोलन को समर्थन करते हैं। हमारे संविधान में किसी भी धर्म की मान्यताओं पर आघात करना दंडनीय अपराध माना गया है। जैन धर्म के चौबीसों तीर्थंकर क्षत्रिय रहे और ज्यादातर संत व अनुयायी आज भी क्षत्रिय हैं। अल्पसंख्यक हो चले जैन समाज के साथ क्षत्रिय समाज अपने आपको आहत महसूस कर रहा है। इसके लिए पूरा क्षत्रिय समाज जैन धर्म के अनुयायियों के साथ है और उनके धार्मिक प्रसार प्रचार का समर्थन करते हैं। जैन धर्म की स्थापना भारत के पहले चक्रवर्ती राजा भरत के पिता ऋषभदेव ने की थी। विष्णु पुराण और भागवत गीता में ऋषभदेव को नारायण के अवतार के रूप में वर्णन किया गया है। ऋषभदेव के बाद जैन धर्म में 23 अन्य तीर्थंकर हुए। जैन धर्म 24 वें तीर्थंकर वर्द्धमान महावीर के समय में अधिक लोकप्रिय हुआ। सभी तीर्थंकरों का संबंध क्षत्रिय कबीले और शाही परिवार से था।

जैन धर्म के अनुसार मोक्ष या निर्वाण की प्राप्ति तीर्थंकरों की सबसे महत्वपूर्ण इच्छा थी। आज भी देश में अल्पसंख्यकों में भी अल्पसंख्यक हो चला जैन समुदाय सबसे समृद्ध, शिक्षित, शांत और अहिंसक कौम के रूप में जाना जाता है। धर्मनिरपेक्ष देश भारत में जैन धर्म के सभी अनुयायियों को क्षत्रिय समाज अपने कुल का एक अंश मानता है।

संक्षिप्त खबरें

आकांक्षा प्रदेश की टॉप टेन में और कॉलेज की बनी टॉपर

भदोही। हाईस्कूल की परीक्षा में भदोही जनपद का परिणाम बेहतर रहा है। बेटियों ने अच्छी-खासी उपलब्धि हासिल की हैं। पंडित राम तवंकल इंटरमीडिट कॉलेज, रोही की छात्रा आकांक्षा पाण्डेय ने जहाँ हाईस्कूल परीक्षा में कॉलेज टॉप किया है। वहीं जनपद में दूसरे स्थान के साथ प्रदेश की टॉपटेन में भी है। कॉलेज और परिजनों के अनुसार आकांक्षा ने 581/600 अंक यानी 96.83 फीसदी अंक हासिल किया है। बेटी की इस सफलता पर कॉलेज के प्रधानाचार्य ने जहाँ बधाई दी है वहीं परिजन भी बेटी की सफलता पर बेहद खुश हैं। आकांक्षा भदोही जनपद के डीघ विकाखंड के बयाँव गांव की निवासी है। पिता श्रीनिवास पांडेय जहाँ बेटी की सफलता पर खुश हैं। वहीं माँ सीमा पांडेय ने कहा है यह मेरे लिए गर्व की बात है। बड़े दादा श्रीकांत एवं दादा आत्माराम पांडेय ने पोती की सफलता पर गर्व महसूस कर रहें हैं। गाँव के लोग बेटी आकांक्षा सफलता पर उसे बधाई दे रहे हैं और खुद मिठाई खिला रहे हैं। आकांक्षा ने बताया है कि उसने बड़ी मेहनत और ईमानदारी से पढ़ाई किया। वह इस परिणाम से बहुत खुश हैं। आगे की परीक्षा के लिए और कड़ी मेहनत करना चाहती है।

शार्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का नुकसान

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के मंगारी बाजार में किराना की दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग से 5 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर राख हो गया। बताते है कि रविवार की भोर में मंगारी निवासी शंभु जायसवाल के किराने की दुकान में अचानक शार्ट सर्किट से दूसरे तल पर आग लग गई। भोर में जब सुबह टहलने के लिए निकले लोग आग देख बगल में रह रहे शंभू जायसवाल को सूचना दी। उसके बाद आसपास के लोगों के मदद से किसी तरह बिजली आपूर्ति ठप कराते हुए किसी तरह आग पर काबू पाया गया। दुकान मालिक के अनुसार 5 लाख रुपए से अधिक के नुकसान की आंशका जताई है। सूचना पर फॉयर बिग्रेड व पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुच गए थे।

यादव महासभा ने मनाई स्व. राम अवतार यादव की पुण्यतिथि, श्रद्धा सुमन किया अर्पित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की जिला इकाई के तत्वावधान में जिला के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. राम अवतार यादव की तीसरी पुण्यतिथि बबेड़ी स्थित प्रवीण कुमार यादव के आवास पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मनाई गई। जिलाध्यक्ष भरत यादव ने स्व. यादव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होने स्वजातीय लोगो के लिए बहुत सारे कार्य किया, जिससे समाज में प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसके बाद अन्य सदस्यों ने भी उनके प्रति सम्मान जाहिर किया। इस अवसर पर यादव महासभा के अध्यक्ष भरत यादव, उपाध्यक्ष रामविजय, बड़े भाई लाल जी यादव, दुर्योधन सिंह यादव, संग्राम यादव, मंजय यादव मनिहारी ब्लॉक अध्यक्ष, राम ज्ञान 'प्रधान', मदन यादव, संतोष यादव पूर्व लोकसभा प्रत्याशी, देवेंद्र यादव छात्र नेता, राम जी यादव, अनिल यादव, सुनील यादव, मनोज, आशुतोष यादव और प्रवीण कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव 2024 के कोर कमेटी की हुई आवश्यक बैठक

प्रखर वाराणसी। विशेष संपर्क अभियान लोकसभा चुनाव 2024 के कोर कमेटी की आवश्यक बैठक तुलसी उद्यान में संपन्न हुई बैठक में डॉ सतीश द्विवेदी पूर्व मंत्री वाराणसी लोकसभा प्रभारी का पाथेय सभी को प्राप्त हुआ बैठक में अभियान के अंतर्गत संपन्न 32 बैठकों की समीक्षा व आगामी बैठकों पर कार्य योजना तैयार की गई बैठक में संपर्क अभियान के संयोजक व सह संयोजक के अतिरिक्त मनोज शाह, नृपेंद्र सिंह ,साधना वेदांती ,महेंद्र गौतम , जितेंद्र लालवानी ,डॉ अशोक राय, जयदीप , गोकुल शर्मा , शशांक शेखर त्रिपाठी एडवोकेट , पवन अग्रवाल ,विशाल केशरी ,अमित अग्रवाल ,पीयूष अग्रवाल , रोहित कपूर ,दीपक जायसवाल , संजय , मित्तल ,कमलेश अग्रवाल ,सत्य नारायण सेठ ,सौरभ लड्ढा , प्रशांत सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सृष्टि मिश्रा के आईपीएस से प्रेरणा लें युवा : डॉ. उमेश चंद्र तिवारी

आईपीएस सृष्टि मिश्रा का पैतृक गांव आगमन पर जोरदार स्वागत, सेल्फी लेने और फोटो खिंचवाने के लिए लोगों में मची होड़

सुईथाकला जौनपुर। यूपीएससी परीक्षा 2023 पास करके 95 वीं रैंक हासिल करने वाली आईपीएस सृष्टि मिश्रा ने पैतृक गांव पिपरौल पहुंचने से पहले कालनेमि की वध स्थली, पौराणिक धर्म स्थली,प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी के पावन धाम विजेथुआ महावीरन में दर्शन कर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।घर पहुंचने से पहले एसवीडी गुरुकुल महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ उमेश चंद्र तिवारी गुरुजी,बाबा कपिल देव मिश्र अधिवक्ता,प्रणय तिवारी,नाना हरिनारायण तिवारी, मामा मनोज तिवारी व पंकज तिवारी ,चाचा प्रशांत मिश्रा सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने अगवानी की।गाजे- बाजे के साथ क्षेत्र वासियों ने माल्यार्पण कर जोरदार और भव्य तरीके से अलग ढंग से स्वागत किया। यूपीएससी परीक्षा पास करके आईपीएस बनीं सृष्टि मिश्रा को देखने के लिए लोग उमड़ पड़े। जब कोई प्रतिभावान और होनहार छात्र या छात्रा संघर्ष करके ऊंचाई की बुलंदी पर पहुंचता है तो उसकी सफलता इस प्रकार से शोर मचा देती है कि उसे किसी से कुछ भी बताने की जरूरत नहीं होती ।परिवार के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने और ऊंचाई की वह मुकाम हासिल करके परिवार के बीच में पहुंचने पर लोगों की आंखें खुशी से छलक उठीं।आंखों से निकले यह अनमोल मोती दिन- रात के त्याग,समर्पण ,कठिन परिश्रम और लक्ष्य प्राप्ति के दृढ़ संकल्प के परिणाम के रूप में सब की आंखों में स्पष्ट रूप से झलक रहे थे।

ग्राम वासियों द्वारा स्वागत करने पर आम जनमानस और क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश है कि इसी प्रकार जो भी छात्र या छात्रा सफलता की नई इबारत लिखेगा लोग उसके संघर्ष को सलाम करेंगे ।जिंदगी में कामयाब सृष्टि मिश्रा के साथ हर कोई सेल्फी लेने और फोटो खिंचवाने के लिए बेताब दिखा।विशेष रूप से युवाओं में फोटो खिंचवाने के लिए होड़ मच गई। मां-बाप और परिवार के लोगों की जो उम्मीदें होती हैं और जो सपने होते हैं जब साकार हो जाते हैं तो वह खुशी जुबां से बयां नहीं होती किंतु चेहरे का भाव और आंखों से निकले प्रसन्नता के आंसू बिना किसी शब्द के अपने आप सफलता की कहानी कहने लगते हैं।डॉ उमेश चंद तिवारी गुरुजी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की इस प्रतिभा ने जनपद का गौरव पूरे देश में बढ़ाने का काम किया है।गुरुजी ने कहा कि विकासखंड क्षेत्र ही नहीं बल्कि जनपद अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।जीवन में ऐसी होनहार सफल प्रतिभा से उन्होंने अध्यनरत छात्र- छात्राओं से प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह कल्पवृक्ष है जिससे हर इच्छा पूर्ण हो सकती है ।उन्होंने पूर्ण रूप से विश्वास जताया कि ऐसी प्रतिभा से प्रेरणा लेकर लक्ष्य प्राप्त करके ऊंचाई पर पहुंचने के सपने संजोने वाले युवा आगे बढ़ेंगे और सफलता का नया अध्याय लिखेंगे।उन्होंने बताया कि सकारात्मक सोच और लक्ष्य हासिल करने का दृढ़ संकल्प सफलता का मापदंड है।

बाल संरचना संस्थान इंटरमीडिएट कॉलेज लालापुर के प्रबंधक सुरेश पांडेय ने कहा कि ऐसी सफलता गौरव का विषय है। संपूर्ण क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है।इससे यह साबित हो सकता है कि हम कितना आगे बढ़ सकते हैं।श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के अंग्रेजी प्रवक्ता विनय त्रिपाठी ने कहा कि बहुत अधिक प्रसन्न हूं ,गौरवान्वित हूं ।यह छात्रा ऐसी प्रेरणा स्रोत है जिसे देखकर युवा प्रेरित होंगे। यह लगेगा कि वह भी बहुत कुछ कर सकते हैं।विदेश में भी पढ़कर कोई गांव की मिट्टी से अब भी जुड़ा है यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।सृष्टि मिश्रा ने उपस्थित अतिथियों,आगंतुकों एवं क्षेत्र के लोगों के विशेष प्रेम, स्नेह के प्रति धन्यवाद दिया,कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आभार जताया। बाबा कपिल देव मिश्रा ,चाचा प्रशांत मिश्रा,आशीष मिश्रा (मुख्य सतर्कता निरीक्षक मध्य रेलवे),ब्रजेश उपाध्याय(बबलू पूर्व प्रधान),अमित मिश्रा ,दुष्यंत मिश्रा,डॉ रणंजय सिंह,राजेंद्र प्रसाद यादव समाजसेवी,जयशंकर मिश्रा,रमेश यादव, नंदलाल यादव ,अरविंद यादव, राजन मिश्रा,जेपी मिश्र सहित तमाम संभ्रांत नागरिकों और क्षेत्र वासियों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं